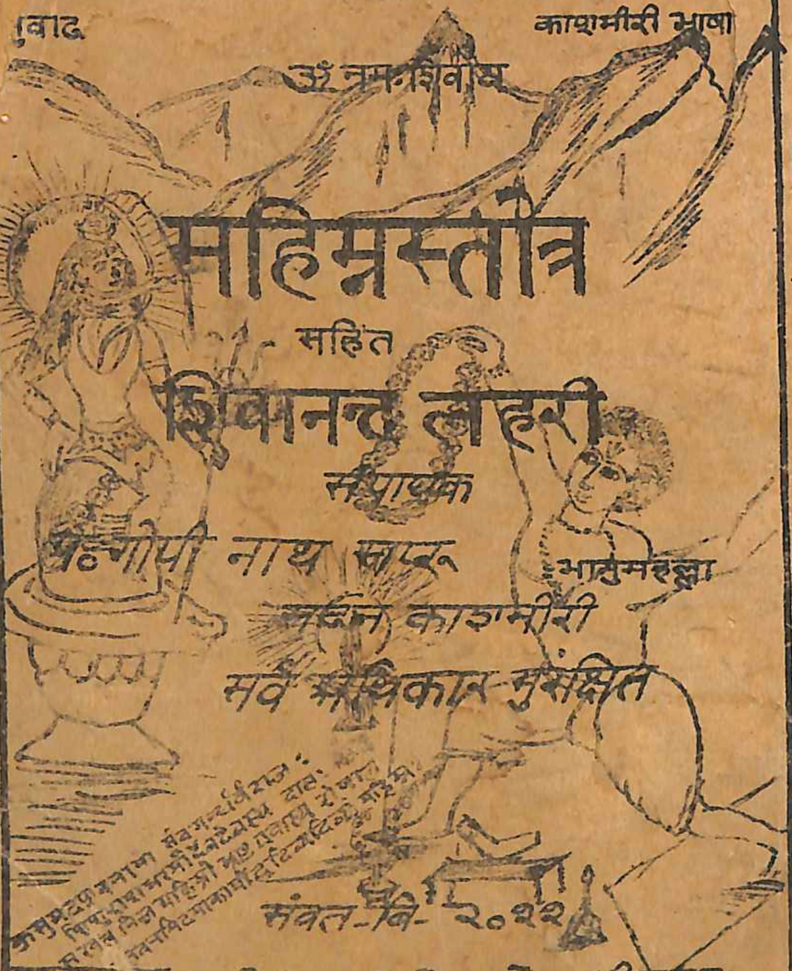
...वाद		काशमीरी भाषा

ॐ नमः शिवाय



महिम्नस्तोत्र

सहित

शिवानन्द लहरी

सम्पादक

प० गोपी नाथ साधू भानुमहल्ला

पर्दान काशमीरी

सर्वे अधिकार सुरक्षित

संवत-वि- २०२२

प्रकाशक_कोहिनूर प्रिन्टिङ्ग प्रेस श्रीनगर

...म........		प्रथमवार ..५००

महिम्नस्तोत्र



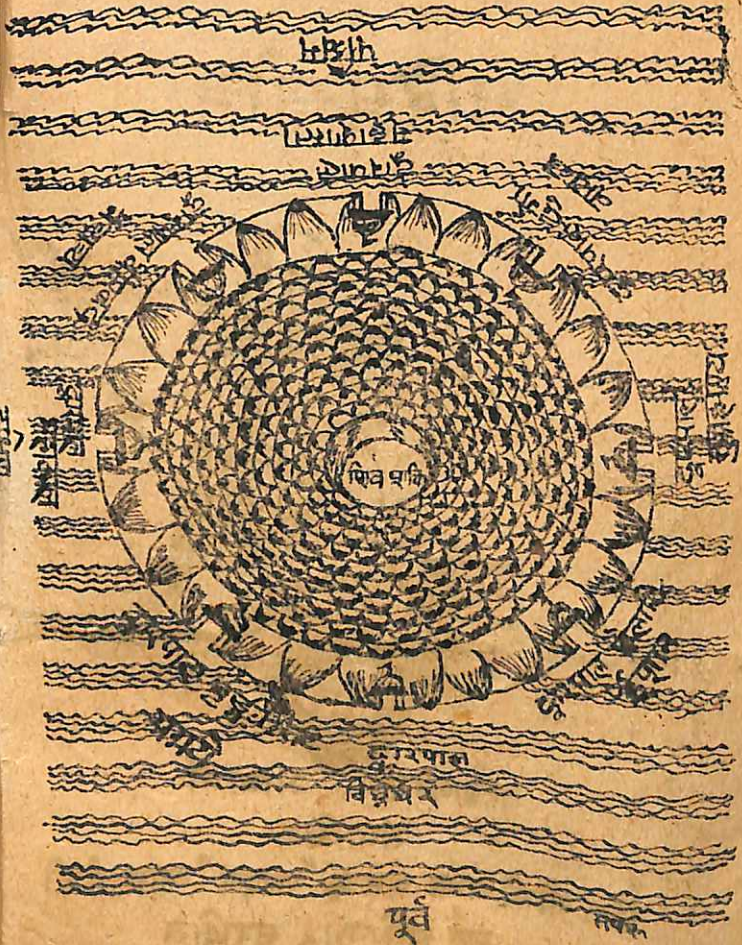
काश्मीरी भाषा में

संपाधिक

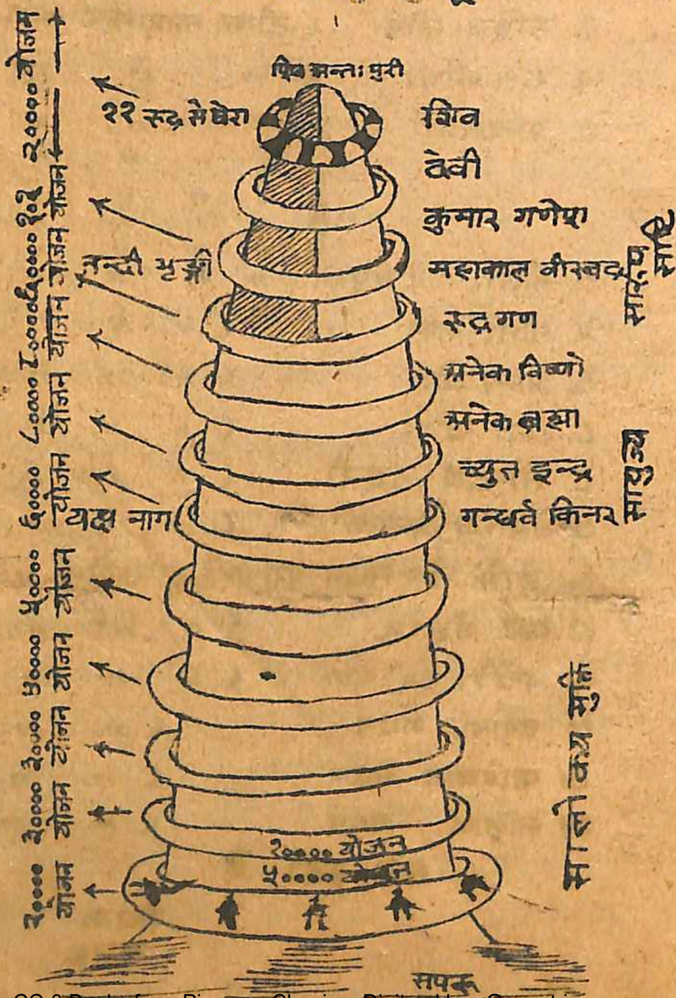
पंडः गोपी नाथ सपरू "मदन" काश्मीरी

मू......... प्रथमवार २०००
संवत २०२१

महा कैलास भवन



महाकैलास स्वयम्बू


शिव अन्तः पुरी
११ रुद्र से घेरा
शिव
देवी
कुमार गणेश
नन्दी भृङ्गी
महाकाल वीरभद्र
रुद्र गण
अनेक विष्णो
अनेक ब्रह्मा
च्युत इन्द्र
यक्ष नाग
गन्धर्व किनर
२०००० योजन
५०००० योजन

मदन कवितायें

छप रही हैं

सेवक
सपरू

शिव

> शिव का जान लेना शिवकृपा पर ही अवलम्बित

जिस में सारा जगत शयन करता है। विकार रहित है। अमङ्गल का ह्रास करता है। सुखमय मङ्गल रूप है। जो सारे जगत को अपने अन्दर लीन करते हैं। वे ही करुणा-सागर भगवान शिव हैं। नित्य, सत्य, जगदाधार, विकाररहित, साक्षी स्वरूप हैं। वे ही शिव हैं। उन्ही का वर्णन श्री पुष्पदन्ताचार्य ने शिव-महिम्नस्तोत्र में किया है।

त्रयी सांख्यं योगः पशुपति मतं वैष्णवमिति ....

> महासागर रूपी शिव

ही अखण्ड पर-तत्त्व हैं। इन्ही की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं। सर्वव्यापक, सर्वशक्तिमान व्यक्त-अव्यक्त रूप से सगुण ईश्वर निर्गुण ब्रह्म कहे जाते हैं। यही परमात्मा जगदात्मा शम्भव शङ्कर मयस्कर शिव और रुद्र आदि नामों से सम्बोधित हैं।

अघोरेभ्योऽथ घोरेभ्यो घोर घोरतरेभ्यः
सर्वेभ्यः सर्वशर्वेभ्यो नमस्तेऽस्तु रुद्ररूपेभ्यः

सत्वगुणयुक्त होने से अघोर (शान्त) राजस से घोर और तामस होने से घोरतर स्वरूप धारण करते हैं। शिव प्रणव स्वरूप है। प्रणव के सिर पर चन्द्रबिन्दु होने के कारण प्रणव चन्द्रशेखर है। इसी से शिव को चन्द्रशेखर कहते हैं। [illegible] (बाकी सफा २५)

گوراستوتی

ہی گورہ بو امرت درشنس

پاران چھسے شوبہ درشنس

دیچھیا کرُوم ست ناو چھی شردھا دِتم ہرہ ناو چھی تمہ کِن بنیم شانتی منس

ترِیہ تاپہ پرووت ہاوتم خیوبس میہ من گاش ہاوتم سنتاپ نہ دوکھہ ژلیم منس

گورہ میانہ پادن تل بیہمے لادن میہ چھیم سادن بیہمے وندہ پان بوچیانس آسنس

ہیتہ آس نہ زگالم موہ ہریم دلشین ہندی زامت ہیہ شریم شوی شرم زلیم نخ بیلہ خنس

مرِہ گس نہ ماریم گس دیشہ آتما چھ کُن پرماتمے شوبہ روپہ بیلہ ونہ درشنس

آنند روپ پرماتمے تنیزہ روپ تری آنند کندے تیز روپ بھاسکرہ و دنس

ہمالیہ زالس منز بوچھس سمتایہ روس موکلاوہ گس پرشارتہ روس منز بھاگ و نس

پیشر کال میہ دوتم پاران ست گورہ وتہ چیانہ زہاران نون نیرہ وت میہ ولس

شیبرہ پوش بولاگئے بھاوکی شانتہ روپ درشن ہاوزی دیا پیشر می کرو منتس

ही गुरु बु अमर्त दर्शनस

पारान कुमय शुब दर्शनस

दीक्षा करुम सत नावची श्रदा दितम हरु नावची

तमि किन्यबन्यम शान्ती मनस॥

त्रयि तापु पर वय हावतम क्षूबस म्य मन

सन्ताप तु दुख चल्य हाम मनस॥

गुरु म्यानि पाद तल प्यमय लादन म्य छाम सादन ह्यमय

वन्दु पान बु च्यानिस आसनस॥

ह्यनु आस ग्र गालुम मुँह हरम व्यश्यन हुन्दुय ज़ामुत म्य शरम

सुय शुम मल्य इख यलि क्षनस॥

मरि कुस न मारयं कान्ह व्यपय आत्मा कुकुन परमात्मय
प्रव रूप यलि इरव दर्पनस ॥
आनन्द रूप परमानन्दय तीज़ रूप चूय आनन्दकन्दय
तीज़ रूप भासकर हावनस ॥
ममतायि ज़ालस मन्ज़ ब्रुकुस समतायि द्रुस म्रकलावि कुस
पुरुषार्थ द्रुस म्रकलावि कुस ॥
यच़ काल म्य वोतुम प्रारान सत गुरो वतु च्यान्य छ़ारान
व्रन नेर यि वथ म्य हावनस ॥
छ़ोरि पोष ब्रु लागय भावकी शान्त रूप दर्शुन हाव चूय
दया यिछ़ूय कर मदनस ॥

شِوٕ استوتی

اناد آد چھکھ اوم چھکھ یگنہ رازس چھکھ یرہ شمبو
وگینہ ہرتا دے چھکھ چوتور بوزہ یوگیشورہ شمبو
لمبو درہ گنگا دھرہ ہرہ ژہ چھکھ وِیدان یرہ شمبو
دِنا یکھ چھکھ شوٗ چھکھ اردھ ناری شور یرہ شمبو
وٕلس پاپی پاپن موہ تہ اندکارن ہرہ شمبو
زنم کام کیت وو دگان تنہ میہ چھم پی آتچرہ شمبو
اگا دھا پاپانی سمہ بھہ دِنا کیتھہ ترہ شمبو
[illegible] ورت یرہ شمبو

اشوک ورکھ باغس منز لشو یتہ سماز ازرہ شمبو
جٹا جوٹ وٹھی چھی ڈیکہ چندر ہر شیورہ شمبو
اتھن ڈابر شولا ورا بھے آیود ہرہ شمبو
تنے صور ٹھی چھوی ہیلہ زیہ واسک الشیمرہ شمبو

چیت آکاشس میانس دیہ شرن آسی گرگرہ شمبو
نبنر منز راؤ بو گگ وگد گز جہ میون موہ ہرہ شمبو
اگنیان زآلیتھ دون زال پر زلون تھاودم ہرہ شمبو
ترلیم دوکہ سوکھوی شوک ترن زلین یو گیشورہ شمبو

دُرشون یج بیہ سوکھ دوکھ تش تیرن میون گھو شمبو
زلم دآیت زلو آس لگ جیہ چھیم تہ مرہ مرہ شمبو
گژھن یون جہ گژھ چھیم موکلہ تیلہ یلہ وچھ ورہ شمبو
کرپا کرتی دیا الوگرتھک چھم آسرہ شمبو

ذران چھے تن من سے دیتہ تہ درشون ساگرہ شمبو
چھے اوزت پران چھنہ زیہ نش کاتیہ آشرہ شمبو
اگنیان کام کرو دھ لوبھ موہ زرٹ جیہ لنکا ئی زرہ شمبو
بنتہ میسا دو دو تغو تہ مولس بیٹھ پرہ شمبو

शिव स्तुति

(१) अनादि आदि छुक ॐ छुक व्यगरण राज़स छुक वर शम्भो
व्यगरण हरता दय छुक चतुर बुज़ योगीश्वर शम्भो
लम्भोदरु गंगाधर हर चू छुक वीदन पर शम्भो
विनायक [illegible] शिव छुक सर्व [illegible] ।।

वुलुस पापी पापन मुँह त्र अन्दकारन हरु शम्भो
ज़न्म गोम कुल्य वुलगान तनु म्य छुम यी आश्रु शम्भो
अगाद माया च्योनी सुमि बाठे विना क्यथ तरु शम्भो
दयाये च्याने सूत्य गछ़ दयि वु अोरुत्त पतु शम्भो॥

अशोक वृक्ष बागस मन्ज़ पश्चापत समाँज़ मन्दरु शम्भो
जटा जूट वटिथूय की ड्यकि चन्द्र हरधरीश्वर शम्भो
अथन डाबुर शूला बरु अबय आयुद हरु शम्भो
तने सूर मालिथूय कुय हटि छ्य वासुक ईश्वरु शम्भो॥

च्यय आकाशस म्योनिस दबि शारन आस घरु शम्भो
न्यत्र मुचुराव योगुक दगद गछ़ि म्योन मुँह हर शम्भो
अगन्यान ज़ालिथ दून्य ज़ाल प्रज़ल वन्य थाव दिमवु शम्भो
अल्यं दुख सुखकुय शून अतुन ज़्युन योगीश्वर शम्भो

वुशुन यख व्यायि सुख दुख ततुन तुतुन म्योन घर शम्भो
ज़नम दौरिथ ज़ीव आस लग म्य छ्यं तनु मरु मरु शम्भो
गछ़ुन यन यित गछ़ छ्यं मुकाल त्यलि यलि दिखवरु शम्भो
कृपा कर तूय दया अनुगृहक छुम आश तु शम्भो॥

दर्शन छ्यं तन म्य दित वु दर्शन सागर शम्भो
कुस्य अोरुत प्रारान छुनु च्यय निश क्यन्ह आश्रु शम्भो

अगन्यान काम क्रोध लोभ मुँह चढ मय मन्दकारु कुजर
वनिथ हंसा वुडवोन थवत मदनस प्यठ पर श्राम्सी॥

سو چھند بٹارکۍ میان

آدھار زگتک یہ تن چھ منتر

شوا یہ نمہ اوم نمہ شوا

ژہ ہنیہ نیتو ہا آدِ دیوو جٹا ہولمہ گنڈتھی ژہ شیوو

یہ زیرہ ہم بیون شو بوزنا ئے

زیہ نیلہ کنٹھو جٹن چھیہ گنگا ژہ خوخہ دایک گوسون

الخ اگو چر ژہ من گو فائے

بہت چھیا دما ژیہ سیت نالئے ولتِ ژیہ سرین ہندوی دو شا

سہسرہ سو دیہ تیز ژیہ منز چھائے

وُزل بچن ہنز ژھنت ژھائے پٹس ژیہ یونے چھونگ کا

چھو گمو رروپ چون ستھم دیائے

انفن ژیہ ڈابر ژہ بین وایان وشت ژہ منڈ چھک تر شول دایان

ژہ ور ایھے چھک دولن پھائے

رٹت ژہ انگوش کھڈگ نہ دور خواتگ پاش بیبہ پورش دور

وجر نہ ڈنڈ مو دگرج ژیہ ماے

ولنخ ژہ سہہ ژم ژھنت گرہ ژم ژہ اشادشہ بوزونان ژیہ خوہم

نما سہ ہم تو ام اگو رکائے

بھوایہِ دیوو شروایہ دیوو　　بھمایہ دیوو سوران ژیہ زیوو
پھ دِیو روزان ژیہ سیو گائے

اسار سودرس میہ نارہ نارم　　زیا ازپ گائیتری میہ یارم
روُتس بو کرمن تہ واسنائے

امرِ ناوُم تہ پاپ ناوُم　　شِیود شِوارِن میہ شِو ناوُم
ژھ ما شہ توش ییہ یہم دیائے

مکن بو پائے کنا ذِچائے　　سروُپ چیونوُی ژو آپارائے
شردھا نہ بھگتی قدم دیائے

सुच्छन्द भटारक ध्यान

त्र्यपन्च न्यनो ह्य आदि देवो जटामुकटु गन्ढिथ्य छू शिवो
यि ज़ीर् बम म्योन सु बो ज़िनाये।
च्य नील कण्ठो ज्यटन ह्य गंगा छू मूक्षदायक गूसोन नंगा
मलरवम घोह्र छू मन गूफाये।
बिह्नित च्य उमा च्य सूत्य नाहय वलित च्य सर्पन हुन्दुय दुशाल्य
सहस्र सूर्य तीज़ च्य मन्द ज्यटाय।
त्रिशूल बिचन हन्ज़ छुनित माहय हटि च्य योन्ये छु नागकालय
छु घोर रूप च्योन यितम दयाये॥
अयन च्य डाबुर छू बीन वायान रटिथ मुन्ड छुरव त्रशूल वायान
छू वर अभय छुरव दिवान यच्छाये॥
रटिथ छू पनकुश खड्ग दोंहुथ खट्वांग पाश पुर्ष दोहुथ

॥

वज्र तु दन्त स्वद गरचय मायें॥
वजिथ च्य मूहु त्रं च्छनिय गज़ं सूमष्टाढशबुज़ ननान सोऽहं
नमामि हं त्वां अघोरकाये॥
भवाय देवो शर्वाय देवो भीमाय देवो सुरान च्यज़ीवो
ह्वि दीव रोज़ान च्य सीकवाये॥
असार सुदरस च्य तारु तारुम ज़प अज़प गायत्री च्य यारुम
हृदस ब्रु कर्मण तु वासनाये॥
अमर बनावुम तु पाप नावुम शिवो शिवार्पन च्य शिवबनावु
चूअशतोष यलि यिहं दयाये॥
"मदन" ब्रु पानय कटाक्ष च्यान स्वरूप च्योनुय स्वपरज़ाने
शर्दतु भक्ति वरुम दयाये॥

اوم نمہ شوایہ

اوماپتی زہ گرجا پتنہ بھاونایے

شما کرہ مہ زہ پرہ دم ورھیہ دیایے

اومکار روپ زہ وکشانر روپ اومکار اومکار روپ گون ترے چونوی چھو وستار

اوم بیز زی چھکھ پرو پیو اوم شوے

نیرگون نرنجن نیروگین نیر آدھار نشچل نہ نش پاپ نیرو وکار نیرہ آکار

نہ کارہ نسپند پرہ اوم شوائے

مہادیو مہاوکت مہا بھوت مہادھار مہا گھور مہاکال مہایوگ پار

نہ کارہ روپ پرہ بو پرہ اوم شوائے

واہن ورشب چھوی تری ولشواَدھار ولشیشور ولشمبر ویگنہ ہرتار
وِکارہ روست چھک ہرو پرہ اوم شوائے
یگ رۄپ یگین تری یگین آدھار یہند واریہ ڈیکہ چھوی واسک ھیٹہ ہار
یکارہ رۄپ ییژکال پرہ اوم شیِ یئے
ازاَتھن حمہ دِنہ گیان بنہ موچھ دیار نتہ بھاوۍ تہ بھگتی سوددآن منزیار
ولیتال رۄپ ہو دلیم پرہ اوم شوائے
یژکول چھسۍ بو برتل چھم پتہ مۄین نار کار اگریکہ بھبۍ لش اتھہ روٹ کرزنہ تار
دِتہ دھام سپنون تہ ژلہ غم پرہ اوم شوائے
اُدرت چھسۍ بو بیو مُت بھوہ سرہ دِتم تار آگنیان ژٹ تہ دِنہ گیان سُوی ادِم ولیتار
مۄنس زہ کریژھ دیا پرہ اوم شِوائے

ॐ नमः शिवाय

उमापते म्य ग्यरिजापत भावनाये
क्षमा कारुम म्य हर् हिम वरम्य दयाये
उमकार रूप वैश्वानर रूप उमकार
उमकार रूप ब्रह्म च्य च्योनुकु व्यसतार
ओं बीज़ चूय बुक हरो पर ॐ शिवाय ॥
न्यरगुण न्यरन्जन न्यरव्यगरा न्यराधार
न्यश्चल तू न्यशपाप न्यरविकार न्यराकार
नकार रूप न्यस्पन्द पर ॐ शिवाये ॥
महादेव महावक्रत महाघोर महाकाल
महाभूत महाकाल महायो महापार
॥

मकार रूप हरनाम पर ॐ शिवाय॥

शुद्ध बुध शुद्धात्मा शुद्ध शान्तमाकार
शुंभानन्दासी शुद्ध च्यत शीतमाकार
शम्भु रूप शार्वो पर ॐ शिवाये॥

वाहन वृषब छुय चूम व्याघ्रमादार
व्याघ्रीधर व्याघ्रम्बर व्यागम हरतार
व्यकार रूस्त छुक हरो पर ॐ शिवाय॥

यज्ञ रूप यज्ञ चुय चुय यज्ञमादार
यन्दो [illegible] कि छुय बासुकच्य लौटहार
यकार रूप छुक हरो पर ॐ शिवय॥

अज़ामलुन म्य दित वनि मुक्ष दरबार
नतु भाव तू भक्ति सुदवांन सुन्ज़यकार
व्यप्राल रूप हर यिम पुर ॐ शिवय॥

यच़ कोल छुसय बु बरतल छुम पत्त मुँहन नार.
कारागृहस्य अथि निश मथ रूटंकरिथ ता-
दित धाम पतु नतु चलिय गमपर ॐ शिवा-

मोहुत छुसय बु श्रोमुत भव सरु दितम तार
अज्ञान जटिय तू दित ज्ञान सूय दिम व्यस्तार
मदनांस चू कर यिछ दया पर ॐ शिवाय॥

(०)

प्रणव वेद का बीज़ मन्त्र है। ऋग, साम, युजर्वेद से अ, उ, म, ले कर प्रणव बना है। इस लिये चन्द्रशेखर शिव महामान्य, परमपवित्र, परमाराध्य है॥

ॐ नमः शिवाय॥

(सपरू)

नोट

श्री शङ्कराचार्यकृत शिवानन्द लहरी भी इसी महिम्नस्तोत्र पुस्तक के साथ भाषा टीका काश्मीरी में विरचित है॥ महिम्नस्तोत्र उसी तरज़ में है कि जि तरह श्लोक है। सिर्फ लीला का तरज़ हुकरी है जो हर दो श्लोक के साथ साथ नीचे है॥ कृपा करके कोई त्रुटी हो माफ करें। केवल भक्ति का नमोना है॥

"मदन"

ॐ

महिम्नः पारंते परमविदुषो यद्यसदृशी
स्तुतिर्ब्रह्मादीनामपि तदवसन्नास्त्वयि गिरः
अथावाच्यः सर्वः स्वमति परिणामावधिगृणन्
ममाप्येष स्तोत्रे हर निरपवादः परिकरः ॥१॥

महिमाय च्यानि कुन् पार लबि व्यद्यादर ती छिन लबान
ब्रह्मा ईत्य देवता मन्दतू बुर च्यानुय छिन् लबान
मगर यिछ तिछ पूज़ा कर् तिव पनन्यव बुज़वसान
तवाय बुति कर् पूज़ा हर् ! चू सोयकार कर म्य यिछ ज़ान्

अतीतः पंथानं तवच महिमा वाङ्मनसयो
स्तद्व्या वृत्त्यायं चकितमभिधत्ते श्रुतिरपि
सकस्य स्तोतव्यः कति विधगुणः कस्य विषयः
पदे त्वर्वाचीने पतति नमनः कस्य नवचः ॥२॥

मदर्ई वाख छुख मन कुख तमि ति पर छुख वीद सर छुख
गुनातीत शून्यातीत लुछुखनू यलि साकार हर छुख
यि च्याय मारिथ तन दिथ सूरिथ ध्याना करु बु महिमा
गुथुय ध्याना दारिथ हर् ! चू भक्तान मूक्ष प्रद छुख॥

شوٗرہ موت شیاس بوٗز زار یار
یوٗگہ وھارنایہ پیہ ساخیانت کار
دیوہ وت نہ برھاچھنہ لبان یار نوٗتہ پوٗز کرسے بودھ اوٗ سار
توٗ آی کرہ بوتہ پوٗز کوٗشوٗ پیکار
ادرشٹ چھک وارجن ویدہ سرچھک توٗجنہ قیلہ نہ ساکار یلہ ہرہ چھک
وھانہ دھارنایہ چھک موٗخی کار

اوم

ہما یہ چیانہِ چھنہ پار بڈ دیو ھیا دھرتی چھنہ لبان
برہما بیہ دیوتا آیت اندتہ بور چھونی چھنہ لبان
گر بیز ھہ تِتز ھہ پوزا کرہ تمو بینو بوزو سان
تو آی کرہ بوتہِ پوزا ہرہ اَتہ سوئیکار کرہ ہیہ چھنہ گیان

ادرشٹ واخ چھک من چھک تمہِ ہرہ چھک دیدہ سر ٹھک
گنا تیت شونیا تیت لو گجنہ بیلہِ ساخیات ہرہ چھک
بہ چیت مارِتھ تن دِتھ سورِتھ دھیانا کرہ بو ہما
بینقوی دھیانا دارِتھ ہرہ تژہ ختین موخر پرد چھک

सूरु मृत सन्यास बोलि ज्ञारपार
योगु धारनायि यियि साक्षात्कार

वीदुवय तू कह्या छिन लबान पार   तोति पूज़ करहय बुद्धि अनुसार
तवाय कर बुति पूज करु सोयकार
मटई कुरव मन वाख वीदसर कुरव ल्वबु खनु ब्यालि ति साकार यालि हर कुरव
ध्यान आसाय कुरव मुक्तीकार

मधोस्फीतावाचः परमममृतं निर्मितवत
स्तव ब्रह्मन्किंवागपि सुरगुरो विस्मयपदम
ममत्वेतांवाणीं गुणकथनपुण्येन भवत:
पुनामीत्यर्थेऽस्मिन्पुरमथन बुद्धिर्व्यवसिता॥३॥

ज़ू ब्रह्मन सर्व उतम मधुर मांछ बानी ज़ू पानय
बृहस्पत म्यट वनि क्या यलि ज़ू वांनी वीज़ पानय
पव्यत्र कुस वानी बुति करान वन्य वन्य सि महिमा
बुद्धी ब्वर स्य निश्चय करु ब्व सोला च्योन्य पानय

तवैश्वर्यं यत्तज्जगदुदयरक्षाप्रलयकृत
त्र्यीवस्तु व्यस्तं तिसृषु गुणभिन्नासु तनुषु
अभव्यानामस्मिन्वरद रमणीयामरमणीं
विहंतुंव्याक्रोशीं विदधत इहैके जडधियः॥४॥

छि वरदायन् वक्लु मूड खन्डन ऐश्वर्य करनस छ्यडान
बनान क्याह पोठय उत्पन्न ब्याथि रछान पत् नाश़ करान
सु किछ छास ऐश्वर्यं छ्युसु छ्य वीदन तत्त्व न्यक्रिया
मत स्न तम यलि दारान त्यलि सु सुवा ऐश्वर्य किछ छवान

اوم برہمن مُور مانچھ واݨی — واخ بیز چھک برہسپت نازآنی
بو دِمی کِن گون چیان دِمہ ولیتار
مُوڑہ کیا زانہ چون اَشیرہ گیان — کُس تہ کیوکھ سیشۓ تس اوپدان
١٨ گونہ شۓ آست گونہ لش پار

۱۳. ژه برہمن سرؤه اوتم ودّر ماپچه وانی ژه پلنے
برسپت اده وینه کیا پیلہ ژه وآنی بیز پانے
پوبتر چھس وانی بوته کران وں ون یہ مهما
بودھی کور سپے رشچے کره بوتو تاچپان پانے

۱۴. چھ ورد ابیئه ! کینه موڑ کهنڈن الیشوری کوژن پیهدان
ذان کیهه پآکه اوتهن بیو رچپان بته ناشن کرن
سوکژهه چھس الیشو رسه بوسه چھیه ویدن تہتو مهیان
ست رج تم بیله دهاران تبله سوگونه الیشوری کنژه تهون

उतम ब्रह्मन सुन्दर यांछ वानी   वाचस्पतीज़ ब्रहस्पत नाज़ानानी
बुद्धी किन्य गुण च्यान्य दिमु व्यस्तार ॥
मूढु कया ज्ञान्य च्योन ईश्वरु यान कुसतू क्यूथ संशय तसउपदान
गुणामय ऋांसिथ गुण निशा पार ॥

किमीहः किंकायः स खलु किमुपायस्त्रिभुवनं
किमाधारो धाता सृजति किमुपादान इति च
अतर्क्यैश्वर्ये त्वय्यनवसरदुःस्थो हतधियः
कुतर्कोऽयं कांश्चिन्मुखरयति मोहाय जगतः॥

वनान न्यय्स्वय पाद्यवनकाति विदाता कयथ दिह् बवान
हु कामि योत्ती कयथ पाद्य कयथ अयलोकियि उत्पनकरान
अगाद ऐश्वर्यें सूत्य तरक डेलि ज़ांनिख ना महिमा
बुद्धि हीन मीमांसक मुँहुच्य कथ् कॅर्य कॅर्य मुँह् करान

अजन्मानो लोकाः किमवयववन्तोऽपि जगताम्
अधिष्ठातारं किं भवविधिरनादृत्य भवति
अनीशो वा कुर्याद् भुवनजनने कः परिकरो
यतो मंदास्त्वां प्रत्यमरवर संशेरत इमे॥ ६

अज़न्मा छा लोक हुरु! छुनु यिमन कान्ह् ज़नम दिनु वोल
न मांनिथ संसार विधि बनान क्या मांनिथ न ख्यतीवोल
छ्य दुस्त उत्पति मानव क्रस सु सामग्री यथ थि महिमा
तियथ च्यानिस मासनस मुडु बुद्धी संशय करन वोल

کیوتھ تہ کتہ لشہ ونہ نشران   تروک کیتھ کن اوپداوان
میانسک ڈلان چِک خوہ نار
زمہ روست لوکِ چھا چھنہ اوپدان   تے روست بیدہ اوکس کران
موٗرن چھو سعشے امیوک اسرار

وٕنان نِشہِ پاٹھ وَن کِتہٕ ویدھا تاکیوٚتھ دِہ تھوان
چھِہ کمہِ یوٚکتی کیتھ پاٹھ سیتھ ترٛو کیہ اوتھین کران
اکاد اَپنُورسے سیتھ ترک ڈٕلہِ زانِتھ مہما
بودھی ہیین میما نسک موٚہ چِہ کِتھ کرِ کرِ موہ کران

اجما لوٚک چھا ہرہ چھُنہ یین کانہہ جنم دِنہ وول
نہ ما ہنت سمارہ ویدھی بنان کیا ما ہنت نہ نفتی وول
ژرِ یہ روست اوتھین مانو کو سہتو ساگرِ کی ہیت نہ مہما
نیضے عیا آلِس آمنش موٚرہ بودھی سمثے کرن ولی

क्यूह्य कव न्याश्वय वनि मद्यान वनि च्यलोक क्याह्यू पाञ उपदावा
मीमांसक) डलान क्रुरव मुँह् नार
ज़न्मु रुस्त लोक छा क्विनु उपदान च़्यय बूस्त पोदु मद्कुस करान
मूडन कु सँशय म्यूक बारबार

त्री सांख्यं योगः पशुपतमतं वैष्णवमिति
प्रभिन्ने प्रस्थानेपरमिदमदः पथ्यमिति च
रुचीनां वैचित्र्याहृजुकुटिलनानापथजुषा
नृणामेकोगम्यस्त्वमसि पयसामर्णवइव ॥७॥

त्रवीद सांख योग शास्त्र परिथ वैष्णव मत न्यूकुन हुरव
अनेक मत दारुनु निये तिमन मु मत यज़ प्रथिवुन हुरव
स्यज़न हॄन्ययन वतु नूय तिमन ह्वि ज़ानान तथ ह्य महिमा
कुन्नुय हुरव क्नन्य वथ न्यूय क्वलन नदियन सागुरस हुरव।

महोक्षः खटांगं परशुरजिनं भस्मफणिनः
कपालं चेतीयत्तव वरद तंत्रोपकरणम्
सुरास्तांतामृद्धिं दधति तु भवद्भ्रूप्रणिहितां
न हि स्वात्मारामं विषयमृगतृष्णाभ्रमयति ॥८॥

दालिय गज़ु चं तनि हुरव सादि खट्वान्ग परशा न्यूहाथ हुरन
मज़िथ भस्मा नाल्य नाग सादि कपाल वृषभ वाहन न्यूहुरव
सकी स्यनु प्रसादु सूत्य रिद्धु नु सिद्धु लवान छि महिमा
न्यू पानाय रूप पनुनुय विषय मृग तृष्णाये पर हुरव

ٹریک سانکھ یوگ وشنومت سارِ وتن چھۓ چھائی ست
کُن چھک سیرہ ہچ وتہٕ زی تار
گزہ زم وتھ خٹوانگ پرشا ہتھ نال ناگ کپال اتھ بر شبس کیتھ
چھک زہ پان پانہ پانہ شوا کار

۷. ترویدِ سانکھ یوگ شاستر پرِت ویشنو مت ژٕ کُن چھک
انیک مت دارونۍ تِمن سُو مت یژ پریہِ وُن چھک
سبزن ہِہن وننی تِم چھیہٕ زانان تتہٕ چھیہٕ ہیما
گٹنٛوی پُھک کنِ ونتہٕ ژی کوسن ندین آگر ژٕ چھک

۸. ولِت گنزہٕ ژوم ننہٕ چھک اتھہٕ ٹوانگ پرشا ہیتھہٕ چھک
طِیت لبما نال ناگ اتھہٕ کپال ورشب واہن ژٕ چھک
اکِ خیبہٕ پیر سادہ سیت ریدنہٕ سیدھ لبان چھیہٕ ہما
ژٕ پانٛے روٗپ پنٛنٛوی وِیشنٛے عمر گہ نرشنایہِ پر چھک

वेदक सांख यो वैष्णौ मत सारिन्थू मतन ह्य च्यान्य मत
कुन करव स्यफ़ि वारि ज़ूय लार
गङ़ ज़ं वलिथ रवद्वाग परणा ह्यय नाल माग कपाल बृषभवा
कुरव ज़ू पांथ पानु पानय शिवाकार

ध्रुवं कश्चित्सर्वं सकलमपरस्त्वध्रुवमिदं
परो ध्रौव्याध्रौव्ये जगति गदति व्यस्तविषये ।
समस्तेऽप्येतस्मिन् पुरमथन तैर्विस्मित इव
स्तुवन् जिह्रेमि त्वां न खलु ननु धृष्टा मुखरता ॥

कुछान क्यन्ह न्यत्य दर्शीन सुकु वनान जगतस कुन अविनाश
वनान क्यन्ह नाशवान कुय काह वनान नाशवान तू अविनाश
लज ये सूत्य बूजिथ कुस न छ्यकान करिथ माहिमा
वनख त्यत्य मोकर पूज़ प्रभु तू! करू ती म्य छुन आश ॥

तवैश्वर्यं यत्नाद्यदुपरि विरिंचो हरिरधः
परिच्छेत्तुं याता वनलमनलस्कंधवपुषः ।
ततो भक्तिश्रद्धाभरगुरुगृणद्भ्यां गिरिश यत्
स्वयं तस्थे ताभ्यां तव किमनुवृत्तिर्न फलति ॥

यतन कार ब्रह्माहन खूत सु आकाश मेनन बु शिव
तिछय पाछ वूथ व्यष्णो वुछिनि पाताल च्यान चस शिव
थकिथ गय दूनवय चूर तुहुरवन पय लग्य करनि माहिमा
प्रहन गोरव साखयाथ वन वुछुख सीवायि किन्य शिव ॥

کینہہ ونان نیٖنہٕ زگہ کینہہ اخیتہ کینہہ ونان ناشوان اِوناش کینہہ
اِمہ کتھہ بوٗزِتھ چھس شرمسار
برہما اکاش خوت وچھنے ولیٚشنو پاتال ود تھ ہینہٕ
چور گوو خ تھکِ لیت وونہہ نہ پار

۹ وُچھان کمانہہ چھون درشون شوچھو ونان زگتس چھُو اوِناش
ونان کینہہ ناشوان چھُوی کینہہ ونان ناشہ وان نہ اوِناش
لزایے سہیت بُوزِت چھُس نہ ہیکان ونِت مہما
ونخ تیلہ موکر پُوز پرموختہ ! کرہ تِی میہ چھیم آشہ

۱۰ یُتھن کور برہماہن خوت شُوہ کاش مینن بو شِنو
تمنہٗ پا آٹھ ووکھہ ولیتو وُچھنہ پاتال چیان برِن شو
تکھکِنت گیئے دونوئے چُور لوگُنہ پے لگ کرِنہ مہما
برمن گورُن ساخیات نون وُچھک بیواپہ کنِ شِنو

क्यन्ह वनान ज़म्य न्यत्य क्यन्ह अन्यत्य
क्यन्ह वनान नशवान अविनाश क्यन्ह
यिम्‌ कथ्‌ बूज़िथ छुस शर्मसार
ब्रह्मा आकाश स्वत वुध्याने
विष्णो पाल वूथ मेननै
चूर गोरव थवय कत्य लूबहयन पार

अयत्नादापाद्य त्रिभुवनमवैरव्यतिकरं
दशास्यो यद्बाहूनभृत रणकण्डूपरवशान्।
शिरःपद्मश्रेणीरचितचरणाम्भोरुहबलेः
स्थिरायास्त्वद्भक्तेस्त्रिपुरहर विस्फूर्जितमिदम्॥

यतन ब्रुन्त प्रोव रावनन त्रिपुरहर! त्र्यभुवन रव्यन मन्ज़ी
भुज़ा प्राव्यन कल कूल्य तिम च्य तंम्य लाग्य पोषच्य
...मय कल लाग्य लागी करनि ल्वग शिव च्यान महिमा मन्ज़ी
...चल भक्ती च्यानि मनु प्रभावलु भनय रव्यन मन्ज़ी

अमुष्य त्वत्सेवासमधिगतसारं भुजवनं
बलात्कैलासेपि त्वदधिगत सारं भुजवनं
अलभ्या पातालेऽप्यलसचलिताङ्गुष्ठशिरसि
प्रतिष्ठा त्वय्यासीद्ध्रुवमुपचितो मुह्यति खलः॥

करिथ सीवा रावणान भुज़ बल लुबुन कृतजनुलक्ल
तमि बल कैलासस तुलनि ल्वग हे दीन वत्सल
खुरकि च्योठ नमु च्यल सूत्य तल मू गव ल्वग करनि महिमा
यि गव ती ज़ीन गुर्य सुन्द यिम खवस थावन छु न्यपाकल॥

بھکت کن راون نرہ کلہ کیت براون لاگنہ پوشن سیت
تمی سیت لوب تم بوڈ دربار
بل مرو ورآون بکر نرہ تلنہ خورہ نٹہ ستہ تل لگ دلنہ
کر سند زین چھا فرس شو بدار

۱۱ . ییتن روست یہ دوراونن زبورہ یرہ انز بھون خینہ منزی
بوزا براونن کلہ کیت تہم ثرینہ تم لاگ پوشچہ گرنزی
تمۍ کلہ لاگ لاگی کرنہ لوگ شوہ چیانن ہما
اچل بھکتی چیانے من یہ بھاو بوتۍ خینہ منزی

۱۲ . کرتھ سیوا راونن بوزہ بل لوبن کوت آتل بل
تمی بل کیلاس تلنہ لوگ سے دینہ و تسل
خورکہ نیوکھہ تمہ ثرلیہ بیت تل شوگو ٹگ کرنہ ہما
یہ گوۍ تی رین گور شند یتھ فرس تھاون چھونشل

भक्ति किन्य रावनन नरिकाल कूल्य प्रावित लोग्यनय पोषन मूल्य
तमी सूत्यलूब तमि बुड दरबार
बल प्रोव रावनन लूग च्य तुलने चोठ च्याल सूत्यलूग तल डलने
गरि सुन्द जीन कारवस पोशिदार

यदृद्धिं सुत्राम्णो वरद परमोच्चैरपि सती-
मधश्चक्रे बाणः परिजनविधेयत्रिभुवनः
न तच्चित्रं तस्मिन् वरिवसितरि त्वच्चरणयोर्न
कस्याप्युन्नत्यै भवति शिरसस्त्वय्यवनतिः॥

दयावाना सुदूसूय कडूथ यल्य वरदायक शिवो
येन्द्र सून्दि स्वतू थूद पद मत्तय किन्य च्यूत्यस हुर् शिवो
राटिथ ईकागर च्यान चरन तमिची व्यस यि महिमा
तमिस छुनू कयन्ह आश्चर युस नमी चरनन तल् शिवो

अकाण्ड ब्रह्माण्ड क्षय चकितदेवासुरकृपा-
विधेयस्यासीद्यस्त्रिनयनविषं संहृतवतः।
स कल्माषः कण्ठे तव न कुरुते न श्रियमहो-
विकारोऽपि श्लाघ्यो भुवनभय भङ्गव्यसनिनः॥

भमय युस ब्रह्माण्डस वुछुरव ह्योतनय नाशस गछोन
स्यठा खूच्य मूत्य दीवता कुथि च्य असरन अनुग्रह करोन
ज़हर च्यथ च्येलो चन हटि च्य दाग तथ कूर महिमा
चमत्कार लूक मयि कुय छु यि विकार स्तोत्यन परोन

دیا جیان بنا سوری بندہ بدوی اوبن آشیر شوی
مہیریٹ پادچیان سوی مختار
سہیر روس برہانڈ گر ہنخئے دلوو دویپ اسرن بنہ ویجے
زہر چوت پانس چھو چمتکار

۱۳۔ دیا بھانا سورسی کرِتھ ژے وردائیک شُوو
ینِدرہ سندِرہ خونہ کھوو بدِکھکتِ کِن دِیُو تمِس ہرِہ شُوو
رٹِتِ ایکاگرہ چیان چرن ژیچی چھۓ یہ پھما
تمِس چھُنہ کینہہ آشچر یُس نمی چرنن تل شُوو

۱۴۔ سمۓ روس برہمانڈس وُچھکھ ہیُوتنۓ ناشس گرژھون
سیٹھا خُوژمت دِیوتا چھو یہ ژھریہ اسرن انوگرہ کرون
زہر چینت ترلوچن! ھیٹھ ژیہ داغ نتھ کینژ پھما
چمتکار لوکہ بھیہِ کوتی چھُو وِکار استو تیٔن پیرون

दया च्यानि भाना सूरसूय
ऐन्द्र पदवी ल्वसुन मखसुय
यमि रटि पाद च्यान सुय सूरवतार
समय रस ब्रह्मान्ड ल्वग गछ़नि रव्यय
दीवत ख्वन असरन दिति विजय
ज़हर च्योय पानस कु चमत्कार

असिद्धार्था नैव क्वचिदपि सदेवासुरनरे
निवर्तन्ते नित्यं जगति जयिनो यस्य विशिखाः
स पश्यन्नीश त्वामितरसुरसाधारणमभूत
स्मरः स्मर्तव्यात्मा न हि वशिषु पथ्यः परिभवः

मुकामदीव यम्य सून्द कान ज़गत दीव पसरन छि ज़ेनान
तमी कामन ज़ोनुरव च़ू मारव सामानि दीव भगवान
भस्म गव तस तेंतियुय यि अनज़ानिस च्यानस महिमा
ज़्यतिन्द्रय महादीवो! अनादरुक च्योन किन्य यि फलजान

महीपादाघाताद्व्रजति सहसा संशयपदम
पदं विष्णोर्भ्राम्यद्भुजपरिघरुग्णग्रहगणम
मुहुर्द्यौर्दौस्थ्यं यात्यनिभृतजटाताडिततटा
जगद्रक्षायै त्वं नटसि ननु वामैव विभुता ॥

ज़गथ रक्षाये किन्य यलि च़् भगवान तान्डव करान
भुज़ा डी शिय ग्रह खूच्य पद छि पृथ्वीयि संशय करान
जटाये किन्य चन्चल स्वर्ग गव कय च्यानि महिमा
बज्यर च्योन छुल कोता छुन यि फिकिरे ज़ाह असि तरान॥

کامن زد زونہٕ لسانہ دیو   سُورہٕ ڈیر کور نقش گونہ سیزلو
کرہ ییں انادر گژھ سُوی خار
تانڈو کورتھ زگژ زاؤ کوت بۓ گرہ گن سورگ۔ پرتھویہ زون خے
[illegible]

۱۵. شتوکامدلو یمنو کان زگت دِلو اسرن چھ زیٖنان
تمی کامن زوخ زِ ہ اَخ دِلو سامانہٖ بھگوان
بَستم گوٚ تس نتہٖنشٔی یہٖ اَن زآن چانے چھیہ مہما
زتیٖندرے ہا دیوو! اتادرس چانِ کُن بہٖ پھیٖل مان

۱۶. زگت رکھیایے کُن بیلہٖ زِ ہ بھگوان تانڈو کران
بوزا ڈلیٖتیت گرہ شوٗتر بدٕ چھ پرتھویہ ہشیٖے کران
جٹلیٔے کُن چنچل سوٗرگ گوٚ چھے چانِ مہما
بُجرچون ہول کوتاہ چُھنہ یہٖ فکرے زِ اسہٖ الیوان

कामन त्रु ज़ोलुरव सामानि दीव
मूरू डेर क्रार यस गवना स्यज़ीव
कारि युमममादर गछि सुयरनार
ताण्डव क्रुरुय ज़ागि ज़ाव कुत वय
ग्रह गग मुर्ग पृथ्विवयि ज़ोन रवय
च्यानि कज रुक छुन बुद्धे व्यस्तार

वियद्व्यापी तारागणगुणितफेनोद्गमरुचिः
प्रवाहो वारां यः पृषतलघुदृष्टः शिरसि ते
जगद्द्वीपाकारं जलधिवलयं तेन कृतमि-
त्यनेनैवोन्नेयं धृतमहिम दिव्यं तव वपुः॥ १७॥

ह्य तारागन रूपी जल प्रवाह् म्सख फयूर च़्य ज्यठि मन्ज़
म्समी फयरि कूद्य सागर ज़गच़ म्सख दीप ह्यू छु म्सय मन्ज़
म्सवांय धृत महिम छुरव धृत महिम धांरी च़्य महिमा
युह्य कारण ज़ानुन [illegible] शरीरुक गछि करुन मन्ज़

रथः क्षोणी यन्ता शतधृतिरगेन्द्रो धनुरथो
रथाङ्गे चन्द्रार्कौ रथचरणपाणिः शर इति
दिधक्षोस्ते कोऽयं त्रिपुरतृणमाडम्बरविधि-
र्विधेयैः क्रीडन्त्यो न खलु परतन्त्राः प्रभुधियः॥

त्रिपुर रूपु घासु ज़ालुनुन्य च़्य यिच़ सांग्री क्या छुयि करोन
पृथ्वी रथ ब्रह्मा सार्थी धनुश हीमाल कान विष्णु च्योन
सूर्य चन्द्रम ह्यगनुय दिह्नुय तिमनुय यिच़ च़्य महिमा
छि सामर्थवान पनिपांद्य गिन्दान गिन्दनस वश करुवोन॥

ست سوُرجیہِ چِنِرِ لہ ہنائی شوی نرل پرتھوی ہنداوپائی
شوی تُوپ لہتم ئیں چھُگنگ دار
رتھ پرتھوی برہما رتھ بان شوریہ چندرمہ ھگر ولشنوکان
ترلوراده مور تھن یہ چھُوجون کار

۳۴

١٧. چھہ نارٕ گن رُوپی جل پرواد اَکھ فیُور ژ یہ جینۂ منز
تھی قبیرٕ کوُی ساگر جگت اَکھ دیب ہیُو چھو اَنتہ منز
اوآی دصرت ہیُم چھُک دصریت ہیُم دھاری ژ یہ مہما
یوسے کارن زانون امہ شریرُک گرِژھہ کرُن منز

١٨. نزیور رُوپ گھاسہ زالونہٕ ژ یہ پیثرھہ ساگریہ کیاہ چھُو یہ کرون
پرتھوی رتھہ۔ برہما سارتھی دھنش ہمال کان وِشن چوٗن
سوٗریہ چندرمہ ھگری ڈژ رتھہ تِمنی بیثرھہ ژ یہ مہما
چھُہ ساعسرتھہ وان بینزِ یآٹھ گِندان گِندنس وِش کروٗن

सत सुंदर ज्यटि ह्यन्दि ज़ल बन्योय
सूय ज़ल पृथ्वी ह्युन्द कुऊपाय
सूय रूप हावतम यथ क्य गंगदार।

रथ पृथ्वी ब्रह्मा रथवान
सूर्य चन्द्र हगर विष्णो कान
व्यपरमद मोरथन यि कु चोन

गार।

हरिस्ते साहस्रं कमलबलिमाधाय पदयो
र्यदेकोने तस्मिन्निजमुदहरन्नेत्रकमलम्
गतो भक्त्युद्रेकः परिणतिमसौ चक्रवपुषा
त्रयाणां रक्षायै त्रिपुरहर जागर्ति जगताम् ॥

सदाशिवो विष्णो सहस्र पदम ह्यथ मोय च्य पूज़े
रवटिथ ग्रोवुय स अख पोश च्यन अख लोगुन तमि
प्रसन गोरव तस दितुत यस अथि सुदर्शन चक्र निज़े
अमी किन्य सूय जगतस छुयि करान रछिपाल महिमा
निज़ि विज़े ॥

क्रतौ सुप्ते जाग्रत्त्वमसि फलयोगे क्रतुमतां
क्व कर्म प्रध्वस्तं फलति पुरुषाराधनमृते
अतस्त्वां संप्रेक्ष्य क्रतुषु फलदानप्रतिभुवं
श्रुतौ श्रद्धां बद्ध्वा दृढपरिकरः कर्मसु जनः ॥

यॅदा वीदन्य वॉविथ यज्ञ फलदाता गछ़ि च्य
यक्रिथ कर्म फल आशा यज्ञ हुत च्युन लाह
यज्ञ करुवनीस पूर्णाह च्य कर्म पूर्णस दुसन महिम्न
अबाय कारण भगवन कुन्य शिवसेवा आसि
पज़ो ॥

پوش لاگ وثیں زے بھاوکی کم گوس اخ نیتر لوگنئے تِی
پھل پروون ناؤ پیوس چکرہ دار
دیدہ کرن تہ یگنیں پھل زی یگنیس اندتہ یگنیس منز تی

१४२

۱۹. سدا شِو وِشنو شستره پدم ہتھہ اوی ژیہ پُوزے
خشّت تھوو تھس اَخ پوش نیتر اخ لوگنے تمہ وِزے
پیرس گوخ تس دِیُو تھس اتھِ سودرشن چکرہ ہما
اِی کارن زگتس چھُو سوکران رکھپال وزِ وزِ

۲۰. شردھا وِبرج تھاوِتھ یگن پھال داتا گنزرِتھ ژے
تھوِتھ کرمہ پھل آشا یگن روست چھنہ زاہ نندر
یگن کرہ وین پورشن ژیہ کرمہ پورشس روست نہ ہما
اوئے کارن بھگوان کرنِ شوہ سیوا اسہِ پزے

पोष लांग्य न्यथनन छ्य बावकी
काम गोस मरव न्यत्र लोग्नय ती
फल प्रोवुन नाव प्योस चक्रदार॥
वीदु कर्मन तू यज्ञयन फल चूय
यज्ञयन मन्द तू यज्ञायस मन्ज़ ज़ूय

[illegible] पार।

क्रियादक्षो दक्षः क्रतुपतिरधीशस्तनुभृतां
ऋषीणामार्त्विज्यं शरणद सदस्याः सुरगणाः।
क्रतुभ्रंषस्त्वत्तः क्रतुफलविधानव्यसनिनो
ध्रुवं कर्तुः श्रद्धाविधुरमभिचाराय हि मखाः॥

प्रजापति दक्ष यज्ञ शील सु दिह् दोर्यन ज़्यूद तु यजमान
स्यदा येथ व्यथि यतद्वल विहित यज्ञयस मोस देवगन
यज्ञन फलदाता ज़्यूय च्य तुस नाश गोस व्यसन
कु न्यश्चय हे शरनद! कुन शृदायि व्यनि तस फल भ्रवनन

प्रजानाथं नाथ प्रसभमभिकं स्वां दुहितरं
गतं रोहिद्भूतां रिरमयिषुमृष्यस्य वपुषा।
धनुष्पाणेर्यातं दिवमपि सपत्राकृतममुं
त्रसंतं तेऽद्यापि त्यजति न मृगव्याधरभसः॥

ज़गथ नाथो ब्रह्मा कुन्यि शिकार रूपस च्य रवोज़ान
मृगी रूप कोरे पथ मृग बनिथ मोस सना किन्य
सु कामी व्याकुल गव भय कुतुय व्यान्य छकित महिम्ना नुछ्वान
कु कर्मी युस मोसे तमिस फल दिनु निश कून फ़्रान॥

دخین یگن کو شیوہ رتنوی
برہما و لینو دیو و سو تنوی
پھل داتا ژی گوس بیہار
برہما کامہ بھنف کو ریت گوٗ
کامہ کین تس پتہ روس بنیوٗ
کو کرمی دراوٗ ونہ چلیس تھار

۲۱. پرجاپت دخہ یگن شیل سۄدِھ دارِٛن زِٛوٹھ تہ بہوٚن
سیٹھا ریش بیہ رینہ دوج بہرت یگیٚش آس دیوہ گن
یگن پھل داتا ژی ژیہ روست ناش گوس چھینہ جہما
چھوٚلشیہ ہے شرندھ! چھنہ شردھا یہ چانہ روست پھل نن

۲۲. جگت ناتھو! برہما وۄنہ شِکار رۄپس ژیہ خوژان
مرگی رۄپ کورے یت مرگ بنتھ ادس سنگہ کِن بڑھان
سۄکامی دِیا گل گوٚ بھیۓ ہوتوٚی چان   ہما
کوکری نیٚس آسے تمِس پھل دِنہ لِش ژہ نہ پرژان

दक्षयन यज्ञन क्रुर शिव स्वस्तुय
ब्रह्मा व्यपगो दीव स्वस्तुय
फल दाता चूय गोल संहार।
ब्रह्मा कामु द्रूत कोरि पल गव
कामु किन्य तस पल रुमति बरोव
क्रूकमी ओस तुच दा यार॥

स्वलावण्याशंसा धृतधनुषमह्नाय तृणवत्
पुरः प्लुष्टं दृष्ट्वा पुरमथन पुष्पायुधमपि
यदि स्त्रैणं देवी यमनिरतदेहार्धघटना
दवैति त्वामद्धा बत वरद मुग्धा युवतयः

त्र्यपुर ज़ालवुन्य दीवो! कुरव चु मदनाग्नयोगस ति पर
उमा हुन्ज़ि सौन्दर्ये धनुषदार कामस्माव करुन्य सर
भस्म व्वार्यस मा[illegible]र कु यि उमा ज़ानान चु महिमा
छ्य मसनुच्य काथ वरदो! स्यायि छ्य मासान मूढ चेसकर।

श्मशानेष्वाक्रीडा स्मरहर पिशाचाः सहचरा
चिताभस्मालेपः स्रगपि नृकरोटी परिकरः
अमंगल्यं शीलं तव भवतु नामैवमखिलं
तथापि स्मर्तॄणां वरद परमं मंगलमसि।

च्य मदनान्तकु! शुंशान गिन्दन जाय पिशाच छियि यार
च्यता भस्मा मलिथुय हटि च्य कलमाला कुयि शृन्गार
छ्य वरदो! मय रूपस अपूर्व मांगलिय कुन महिमा
तिमय यिम ध्यान करुवुन्य यि रूप तिमुन्य कुय शुभ उदार।

کام آؤ زطلونہ اوماے   شور گوس زوخ نہ گرجاے
تری کیا زانہ چون شوخمہ ولویار
سہو ہیبت گنزان شمشانئی   بسا ملیت نال کلہ مال چھی
لوبہ روپ چون بکتین سوکم سار

۲۳. نزلور زالونہ دِلوِو! چھِکھ ژٕہ اشٹانگہ یوگس تہٕ بر
اوما ہنزِہ سونلرٕ دِھنش دھارکام آؤ کرنہٕ سر
بسم کور ہسن آشیر چھو یہِ اوما زانان نہ مہما
چھیہِ اسہ نچہ کنتھ وردوا! تریہ چھیہ آسان موڑ بُحر

۲۴ ژیہ مدھانکہ! شُمشان گِندان جائی پِشاچ چھیہ یار
چِیتا بسما مِلتھی ھٔتھِ ژیہ کلہ مالا چھیہ شر لگار
چھیہ وردوا! انت رُوپس اشوب آسِت کنیتزِ ہما
تمیٔ یِم دھیان کرہ ون یہِ رُوپ تِمنو آچھوی شوبہ اودھار

काम भाव दःकल्नून्य उमाये
सूर गोस ज़ोनुख ना ग्यरिजाये
स्त्री क्या ज़ान्य च्योन सूक्ष्म् व्यवहार
सहचर ह्यथ गिन्दान पुंशानय
भस्मा मलिथ नाल्य कल् मालय
युथ रूप च्यो भक्तयन सुखसार

मनः प्रत्यक्चित्ते सविधमवधायात्तमरुतः
प्रहृष्यद्रोमाणः प्रमदसलिलोत्सङ्गितदृशः ।
यदालोक्याह्लादं ह्रद इव निमज्ज्यामृतमये
दधत्यन्तस्तत्त्वं किमपि यमिनस्तत्किल भवान् ॥

यिम रूटमुत प्राह् हुय न्यत्र लील हृत्य छिरवमशि वरिय
तिथी योगीश्वर छी पतुन आत्मा युथ त्युथ सूरिथ
हृदय प्रह्लादस मन्ज़ यथ नू नीनी ज़ानि महिमा
अमृत सरू स्राना छी कुरव चू परि पूरनवरिथ ॥

त्वमर्कस्त्वं सोमस्त्वमसि पवनस्त्वं हुतवह
स्त्वमापस्त्वं व्योम त्वमु धरणिरात्मा त्वमिति च
परिच्छिन्नामेवं त्वयि परिणता बिभ्रतु गिरं
न विद्मस्तत्तत्त्वं वयमिह तु यत्त्वं न भवसि ॥

पृथ्वी कुरव आकाश कुरव जल अग्न वायो चन्द्र कुरव
सूर्य कुरव आत्मा कुरव अष्ट तोतू कुय पेठ सत कुरव
सु कुन व्यारव कान्ह युथ युथ यथ नू आसी चोन्य महिमा
छ्य रुस्त छ्यन कान्ह जाये न तु ता यथ नू आसान नू मन्ज़ कुरव

شاہ رسُٹ بُجو تم چھی زانان آنہ مغزہ آئمہ روُپ یزانان
امرت سرہ کوسی امرت سار
پرتھوی وایو اگن زل چھک آکاش سوریہ چندرمہ آتما چھک
بیاکھ چھینہ زِ ت کانہہ زی سار

۲۵ یمؤ روٗٹ شاہ چھوی نینز لولہ ہیت چھک اشہ ہرت
نتھی یوگیشور چھی پننون آتا یمنز تیوُچھ سوٗرت
ہردے اپلادس منز ہیت نہ وآنی زانہ ہما
امرت سرہ سرا نا ہیوٗ چھک ثہ پرہ پوٗرن تیو تہ ہرت

۲۶ ہر تھوی چھک نہ کاش تھک جل اگن وا لو چندر چھک
سوٗریہ چھک آتا چھک اشہ تونہ کوٗسی ایکھ سنت چھک
متو چھینہ بیاکھ کانہہ توت منز ہیت نہ آسی پان ہما
ثہ یہ روٗست چھینہ کانہہ جائے نہ توت زانان ہیت نہ منز چھک

शाह दूट यिमव तिम ही ज़ानान
आत्मू मन्ज़ अत्मू रूप प्रज़नावान
अमर्त सरूताय अमर्त सार
पृथ्वी वायो जल अग्न छुरव
आकाश सूर्य चन्द्र आत्मा छुरव
ब्यारव छुनु तत्त्व कान्ह चूय
छुरव सार

ओं तिस्रो वृत्ती स्त्रिभुवनमथो त्रीनपि सुरा-
नकाराद्यैर्वर्णैस्त्रिभिर भिदधत्ती र्तीर्णविकृति
तुरीयंते धाम ध्वनिभिरवरुन्धानमणुभि
स्समस्तव्यस्तं त्वां शरणदगृणात्योमितिपदम्॥

त्रय वृत्त उदात्त अनुदात्त स्वरित त्रयभुवन ब्रह्म विष्णु महेश।
त्रय वर्ण अकार उकार त्यायि मकार सुरवुन्य यिम अधेश।
छि रसु रसु च़्यूर्योम धान पानंद ! सुखान च्यान्य महिमा
इ होय ओमकार पद च्योन तावि तुता करुवन्य त्यायि
महेश।

भवः शर्वो रुद्रः पशुपतिरथोग्रः सहमहाँ-
स्तथाभीमे शानो विति यदभिधानाष्टकमिदम
अमुष्मिन प्रत्येकं प्रविचरति देवः श्रुतिरपि
प्रिया यास्मै धाम्ने प्रणिहितनमस्योऽस्मि भवते॥

भवः भीमो रुद्रो उग्र शर्वो पशुपतु चु वोज़
महादीव ईशानो अष्ट नाव वीदु तेज़स स्वरूप
प्रसन्ता च्यान्ये किन्य गुण ग्यनान वीद च्यान्य महिमा
नमस्कार नामु रूपस पुष्पदन्त स्वरुनुन शुय स्वरूप॥

وزرنرے نہ ترنوشے کارن پر   اومکار سورمون اوہ کرہ سمر
رسہ رسہ زور تُوم نمان کرہ پار
بھوہ بھیم رودرہ اوگر شروہ ایشان   مہادیو پشوپتہ ویدک جان
پشوپ ... کرانہ شرے نزکا

۲۷. ترِیہ ورِٹ اوداتھ انو واتھ سُوریت ترِبھون برہمہ وشن ہیش
ترِیہ ورن اکار-اُوکار بییِہ مکار سوروپہٕ یِم ادھیش
چھِہ رسہ رسہ زُورِیُوم نغان شرندھا وُچھان چیاآن مہما
یوسے اوکار یِہ چھون لبت توتا کرہ ونہ ہیش

۱ ۲ ۳ ۴ ۵ ۶
۲۸. بھوو بھیمو رودرو اوگرہ شروو پشُوپتہ سرُوپ
مہادیو اشانو اشٹہ ناوٗ ویدہ تیجس سرُوپ
پرستا چھا نٕ کُن گون گیوان ویچھیان مہما
نمسکار ناھہ تُو لبھ لٔپ ونت سوہ وُن چھیہٕ سرُوپ

वृत्र च्ये तु श्यनुवय कारन पर
उमकार स्वरुवुन करि अदू सर
रसू रसू चोर्यूं यान कर्य ज़ाव
भवः भीमू रुद्र प्रार्व पशुपतू मान
महादीव इशान वीदुक शान
पुष्प दन्त छु करान छ्य
नमस्कार

नमो नेदिष्ठाय प्रियदव दविष्ठाय च नमो
नमः क्षोदिष्ठाय स्मरहर महिष्ठाय च नमो
नमो वर्षिष्ठाय त्रिनयन यविष्ठाय च नमो
नमः सर्वस्मै ते तदिदमिति सर्वाय च नमः ॥

नमस्कार। बोज़ म्योन प्रियदव! नीर दूर ति स्यद कुरुख
नमस्कार। बोज़ म्योन स्मरहर। सूक्ष्म स्थूल ति न्यथ कुस
नमस्कार। बोज़ म्योन त्रिनयन। ब्रुड कुरुख योक्वे कुरुख
नमस्कार। बोज़ म्योन सर्व सर्वे स्वरूपी न्यथ तु मन्द कुरुख

बहुलरजसे विश्वोत्पत्तौ भवाय नमो नमः
प्रबलतमसे तत्संहारे हराय नमो नमः
जनसुखकृते सत्त्वोद्रिक्तौ मृडाय नमो नमः
प्रमहसि पदे निस्त्रैगुण्ये शिवाय नमो नमः ॥

उत्पत्ती करुन रजोगुणांय भव रूप नमो नमः
संहार कृत कुरुख तमोगुणाय हर रूप नमो नमः
सुख धाम रूप कुरुख सतोगुणाय मृड नाम नमो नमः
त्रिगुणा पर कुरुख त्यस्त्रैगुण्याय शिवाय नमो नमः

نیر نہ دوُر نیوُک نہ بوُڈ رُوپ چھ یوُوک نہ بوُڈہ رُوپہ چھیون آسیے
سروہ رُوپ تِرۍ چھک چھوی نمسکار
قینچی کرتھ رجوگون رُوپے تموگون گالان ہرہ رُوپے
پالنا ستوگون چھوئی کار

۴۴

۲۹. نمسکار ابوز جیون برِیہ دوہ! نیر دوٗر تہٕ ژٔری چھک
نمسکار ابوز جیون سمرہ ہرہ! سوٗخمہ ستھول روٗپ ژٔری چھک
نمسکار ابوز جیون ترنیبہ! ژٔری بُڈہ چھک لیوک چھک
نمسکار ابوز جیون سروہ سروٗپی ژٔری تہٕ اند چھک

۳۰. تیٚنی کرتھ رجو گوناٗئی بھوہ روٗپہ نموٗ نمہ
ہماری کرت چھک تموٗ گوناٗئی ہرہ روٗپہ نموٗ نمہ
سوٗکمہ دھامہ روٗپ چھک ستوگوناٗئی مرڑہ ناحہ نموٗ نمہ
ترگونہ پر چھک نیسترے گوناٗئی شو روٗپہ نموٗ نمہ

नीर तू दूर न्यूक तू ब्वड रूपस जय
योवक तू बुड्ड शिव म्योन मांस्यनय
सर्व रूप ज्वय कुरख छुय नमस्कार
य्यती कारूय रजोग्वरा रूपय
तमोग्वरा मालान हर रूपय
पालान सत्तोग्वरा च्योनुय कार

कृपा पारि शक्ति चेतः क्लेशवृश्यं क्व चेदं
क्व च तव गुण सीमोल्लङ्घिनी शश्वदृद्धिः
यति चकितममन्दीकृत्य मां भक्तिराधाद्
वरद चरणयोस्ते वाक्य पुष्पोपहारम्॥

अव्यध्या असमता रागद्वीश आभिन्वीश
यिमव कातनोवुय मनस कुत म्य कलीश
भक्ति भावु च्याने हुज़र दूर नोवुम
हर्षी गोम च्य लांगिम भक्ति पोष महीश॥

कुसुमदशन नामा सर्वगन्धर्वराजः
शिशुशशधरमौलेर्देवदेवस्य दासः
सखलु निजमहिम्नो भ्रष्ट एवास्य रोषात्
स्तवनमिदमाकार्षीद् दिव्य दिव्यं महिम्नः॥

अर्धचन्द्र धारिथ शिवो भक्ति वत्सल
ज़रा क्रोध च्य ज़लिना बनोवुम म्य जल जल
पुष्प दन्त आज्ञ्या गन्धरवन हुन्दुय सर
महादीव दीवो वनान च्यान्य महिमा॥३२॥

ادیہ حایہ کن وونتہ حید کلیش بھکتہ بھاوہ ترووم ہزر مہیش
ہرش کن لاگمئے پوش شوبدار
اردہ چندرہ دارتہ بھکتہ وتسل اپشپدنت چھووناں کروودم تراوجل
ہا دیوہ دیوہ لول کن دار
رشیہ منہ وننہ راونم حیدہ لس انوگرہ پیا نہ لگہ بیا حید تقدلس
شوی گوپراون شوہ دربار -

٣٦

۳۱. ادیہ ھیا۔ اسمتنا۔ راگدلیش۔ اِبنولیش
تِمۍ وانتنووِی عنس کوُت جیہ کلیش
بھکتِہ بھاوہٕ چیانے ہیژر دوٗر ترووُم
ہرش گوم ژہیہٕ لاگِم بھکت پوش ہیتی

۳۲. اردہ چندرہ دآرِتھ شِوو بھکت وتسل
ذرا کرووٗدھ ژہیہٕ ژلنا بنووُم ہیہ جل جل
لیٛب ونت بھکتیا گندروں ہندوی سر
مہادیوہ! دیوو ونان چیان مہما

व्यद्याधि किन्य वोतुं म्य क्लीष
भक्ति भावु त्रोवुम हृचार महीष
हर्षु किन्य लांगमय पोष पूबिदार
अर्धचन्द्र दारिथ भक्तिवत्सल
षुषादन्त छु वनान क्रूद चाव जल
महादीव दीवो वनान च्यांन्य महिमा॥
दूषु मन दषूरावतम म्य "मदनास"
अनुग्रह च्यान्य लग्य क्या म्य थदनास
तथ वनान प्रावुन शिवु दरबार

ॐ नमः शिवाय

शिवानन्दलहरी



श्री शङ्कराचार्य रचित

[illegible] टीका काश्मीरी

पं. गोपी नाथ मखनर प्रदत्त

वि: २०२२

८१

ماترکا رٔپک آد ادم کار
اکھیل جگتک اوم چھُوی سار

جاگرت جگتس ادمکوُی سٔروُپ
بھُوبھوہ ست لوُک انگہ روُپ
زٔو ر پاد جگتکہِ برہم آکار

پانٔژھ گیان پانٔژھ پران کرم ینٔدیٔ
اننہ کرن زٔو رحوکہ تس چھیٔ
ؤلیشانر جگتک آکار

سُوخمہ جگتس منز وپایت تھسنز
ست انگ کُنوُہ حوکھ تمِسند
تیزہ رُوپ پرکاش تیزِ آکار

سُوشُپھہ منز لُیس یٔتھ حقوہ ش
تت اوستایہِ منز سُوی آسہ خوش
سُوی آنندہ رُوپ گؤ اوھکار

الیشر سارِنی سار لُیٔ ایشن
انتریامی پرآنین ئیش
اوٗ تیتھی کارک تہ پرلیوک نار

نہ اندر نہ نیبر نہ دونوٗنِ منز
ینت نہ تھف ییہ نہ لیُ فرہ وارہِ منز
چنتن نہ لیچین نہ وتنس نہ وار

آتمہ دِیوس ہیُو اکِوُی سار
کلیان مٔے اد وینت اوھکار
پرماتما پرم برہم اوھکار

زٔورہِ پادہ وول پرماتما چھُوی
نژے ماترایہ سان پرنوی سُوی
अ, उ, म نژے پاداوھکار

اکارہ وول ؤلشانرہ رُوپ
ترلمہ لمیُن بھُوگہ کیت بھُوگ اٗنوُپ
زاگرت ستھوٗل زٔلنگ آدار

اکارہ آسِت دونوٗے رُوپ
سُوخمہ جگتس منز تیجس سٔروُپ
نمانہ لیُس پرادہِ سُوی مُوضہ دربار

मात्रका रूपुक पाद उमकार
अव्यक्त जगतुक ॐ कुय सार
जाग्रत जगतस उमू कुय सरूप
भूः भवः स्वः सत्त लोक अनू रूप
चोर पाद जगतुक ब्रह्म आकार
पान्च ग्यान पान्च प्रान कर्म पुन्द्रय
अन्ताह् करण चोर मूरव तस छीय
वैश्वानर जगतुक आकार
सूक्ष्म जगतस मन्ज़ व्यष्ट अपि मन्ज़
सत अन्य कुन्वुह मूरव तमिसन्द
तेजू रूप प्रकाश तेनू आकार
सुषुप्ति मन्ज़ युस आस्य मनोव
तथ अवस्ता यि मन्ज़ आसी खोष
सुय आनन्दू रूप गव उमकार
ईश्वर सारिनुय सारिकुय ईश
अन्तर्यामी प्रानियन नीश
उत्पती कारक तू प्रलयुक नार
न अन्दर न न्यबर न दुनूवन्य मन्ज़
यथ न यथ यियि न युस फिर वारि मन्ज़
ध्यानन न लक्ष्यन न वननस न वार
आत्मू देवस छो आमिकुय सार
कल्याणमय अद्वैत उमकार
परमात्म परब्रह्म उमकार

مکار سو سقتہِ دہ تس چھوی
پرگنیا۔ یہِ ژور یوم دہ تس چھوی
زانوُن کارن جگت کرہ پار
پرنوئے ادویتی برم برہم چھوی
کلیان مئے پرماتما چھوی
پرا شتیم پرم برہم پوُرن آکار
ہٲلِس نمے ماتر اوت ماوٗ
پرنوس ٹیچھ کرہِ آنندہ کراوٗ
ویدہ روُپ ساشات ویدہ اوکار

(۵)

(نوٹ) صفحہ نمبر ۵۷ میں یہ رہ گیا تھا۔ اس لئے
یہاں پر درج ہے :۔ "توآسی تر اِرم یم یہ ساری
رٹے اد وہ شمبھوُ" کے بعد پڑھیے۔

تمبر سونکوی چھوی ترے ترِیہ جاین سعی شمبھوُ دِیی ییلہِ سون کانہہ ترے سوکو تاہ دِتا شمبھوُ
ترلوکی ہند سون سور ھیبرِج نہ نتزِلہ شمبھوُ
کوپر جیوی دھنہ سوامی دِیی گژھ یہِ ترِیہ شمبھوُ منج چھینہ کینہہ ترِیہ کمی کلپ ورِکہ چھو ترِیہ شمبھوُ
کامدین چنتامن رتن ڈھیر ڈلہ شمبھوُ
سدھاکر چندرمہ چھون سونتہ ڈیکہ شوبان شمبھوُ بوانہ گیا دھ کیا ترے میہ اخ سن سوبان شمبھوُ
سوُر سُتی گژھ ھتہ پرمن بنہتہ میون یلہ شمبھوُ

ॐ
भद्रं कर्णेभिः शृणुयाम देवा भद्रं पश्येमाक्षभिर्यजत्राः
स्थिरैरङ्गैस्तुष्टुवांसस्तनूभिर्व्यशेम देवहितं यदायुः
ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः!

त्रोर पाद वोल परमात्मा सूय
स्य मात्रायि स्नान प्रनवुक कुय
म.उ.म. स्य पाद उमकार

मकारु वोल वैश्वानर रूप
ज़ानि युस भुग्य भुग कुय अनूप
जाग्रत स्थूल जगतुक साकार

उकार आसिथ व्वनुवय रूप
सुक्ष्म जगतस मन्ज़ तेजसस्वरूप
ज़ानि युस सुय प्रावि सुख्यदरबार

मकार आसिथ सुष्कदिह तस
प्रगन्या यि स्यसुय पाद कुय तस
ज़ानुवुन कार्णु जगतकरितार

प्रणवुय मवुयती परं ब्रह्म कुय
कल्याणमय परमात्मा सुय
परात्पर परं ब्रह्म ब्रह्मसाकार

"ववनाल" स्य मात्रा वय होव
प्रणवस युथ करि आनन्द क्राव
वीदु रूप साक्ष्यात वीद उमकार॥

१. गलन्ती शम्भो! त्वच्चरित सरितः किल्बिषरजो
दलन्ती धीकुल्यासरणिषु पतन्ती विजयताम्
दिशन्ती संसारभ्रमण परितापोपशमनं
वसन्ती मच्चेतो हृदभुवि शिवानन्दलहरी॥

२. प्रभुस्त्वं दीनानां खलु परमबन्धुः पशुपते!
प्रमुख्योऽहं तेषामपि किमुत बन्धुत्वमनयोः
त्वयैव क्षन्तव्याः शिव! मदपराधाश्च सकलाः
प्रयत्नात् कर्तव्यं मदवनमियं बन्धुसरणिः॥

३. उपेक्षा नो चेत किं न हरसि भवद्ध्यानविमुखां
दुराशाभूयिष्ठां विधिलिपिमशक्तो यदि भवान्
शिरस्तद्वैधात्रं ननु खलु सुवृत्तं पशुपते!
कथं वा निर्यत्नं करनखमुखेनैव लुलितम्॥

४. करोमि त्वत्पूजां सपदि सुखदो मे भव विभो!
विधित्वं विष्णुत्वं दिशसि खलु तस्याः फलमिति
पुनश्च त्वां द्रष्टुं दिवि भुवि वहन् पक्षिमृगता-
मदृष्ट्वा तत्खेदं कथमिह सहे शङ्कर विभो॥

५. करस्थे हेमाद्रौ गिरिश! निकटस्थे धनपतौ
गृहस्थे स्वर्भूजामरसुरभिचिन्तामणिगणे ।
शिरःस्थे शीतांशौ चरणयुगलस्थेऽखिलशुभे
कमर्थं दास्येऽहं भवतु भवदर्थं मम मनः ॥

६. सारूप्यं तव पूजने शिव महादेवेति सङ्कीर्तने
सामीप्यं शिवभक्तिधुर्यजनतासाङ्गत्यसम्भाषणे
सालोक्यञ्च चराचरात्मकतनुध्याने भवानीपते!
सायुज्यं मम सिद्धमत्र भवति स्वामिन्! कृतार्थोऽस्म्यहम् ॥

७. नालं वा परमोपकारकमिदं त्वेकं पशूनां पते!
पश्यन् कुक्षिगतांश्चराचरगणान् बाह्यस्थितान् रक्षितुम्
सर्वामर्त्यपलायनौषधमति ज्वालाकरं भीकरं
निक्षिप्तं गरलं गले न गिलितं नोद्गीर्णमेव त्वया ॥

८. जडता पशुता कलङ्किता कटिलचरत्वं च नास्ति मयि देव
अस्ति यदि राजमौले, भवदाभरणस्य नास्मि किं पात्रम्

९. अरहसि रहसि स्वतन्त्रबुद्ध्या वरिवसितुं सुलभः प्रसन्नमूर्तिः
अगणितफलदायकः प्रभुर्मे जगदधिको हृदि राजशेखरोऽस्ति ॥

२०. नित्यं योगिमनः सरोजदलसञ्चारक्षमस्त्वत्क्रमः
शम्भो तेन कथं कठोरयमराड्वक्षः कवाटक्षतिः ।
अत्यन्तं मृदुलं त्वदङ्घ्रियुगलं हा । मे मनश्चिन्तय-
त्येतल्लोचनगोचरं कुरु विभो ! हस्तेन संवाहये ॥

२२. ऐष्यत्येष जनिं मनोऽस्य कठिनं तस्मिन्नटानीति मद्-
रक्षायै गिरिसीम्नि कोमलपदन्यासः पुराऽभ्यासितः
नो चेद्दिव्यगृहान्तरेषु सुमनस्तल्पेषु वेद्यादिषु
प्रायः सत्सु शिलातलेषु नटनं शम्भो ! किमर्थं तव ॥

२३. अशनं फणी कलापो वसनं चर्म च वाहनं महोक्षः
ममदास्यसि । किं किमस्ति शम्भोः
तव पादाम्बुजभक्तिमेव देहि ॥

شِوہ مُچھک کلیان کُوٗنُن یوگہ نرطِ شمبوٗ
انوگر کرِتھ سے یار   پاد کملہ شمبوٗ

۱. شِوانند لہراخ وزِمہ جر زرہ سرہ چانہِ شمبو   ہا پن چھلان ناوان(ن) نِکے پانہ شمبوٗ
ہر دلیں سمن میانِس بودھی کولہ کولہِ شمبوٗ

۲. پشوٗپتہ دینا ناتھہ زرہ پوٗرن پوٗر شمبوٗ   یودِین ہند سردار سمیاہِ سانِ جوٗرو شمبو
یندھو گوٗسُوی رچھ پٹس دِین ناشہ تلہ شمبوٗ

کیا خیما کرِخنا ژی اپرادن میہ شمبوٗ   بھوم سرہ نارِخنا؟ اوش نارخ میہ شمبوٗ
نتہ چیوت ہنھِ چھوی وٹہ زیہ یامن تلہ شمبوٗ

۳. کران چھکنہ میون اودھار نیتوٗ چھکنہ میون شمبوٗ   میہ بوزان چھکنہ آگونہ کن چھوی شمبوٗ چیون
نتےٗ کوہ آسیم یہ حال وچھِت موژلہ شمبوٗ

ونِخ بیدِ بھایہ لیوٗ خِنۍ ویدانتہ یئےٗ شمبوٗ   توآئی کنِ دیان کرنہ سکیےٗ نوجون شمبوٗ
پیٹر گھساُمرتھ چھُنیا یہ ناہوٗن تلہ شمبوٗ

زیہ چھُنیا یوت ساحرِتھ تلم فرنِک منہ شمبوٗ   بریہا ولِس بیلہ چھی گندِن ساگری زیہ نندمبو
وتوٗ کیتھ بریما ہس لِس زیہ نو پیش چلہِ شمبوٗ

ژگوٗتھ لس باغ نرمِ موخ کرِتھ کوٗپ کیتہ شبو   توآی روٗد بریہاجی ژنوٗر موخ نتہ شمبوٗ
اوےٗ کن نومانیےٗ نہ راہ وون ڈلہ شمبوٗ

ژہ تراوٗ کتھ یمہ ونےٗ بو بوزےٗ نہ کتھہ شمبوٗ   ییےٗ نو فیرس منز ژہ اودھار کر میہ شمبوٗ
نہ یمہ دھوکھس منہ تراوت لِیوٗ بیتھ ڈلہ شمبوٗ

۴. پر بھوٗ چھُس یوٗزا بھل منگان ژےٗ بیٗ شمبوٗ   چرن کمل جو شوٗ دیہ نِش بیون ہی شمبوٗ
بریہا ولِس گژرانی شرِ یہ پادن ڈلہ شمبوٗ

برہما دیشن نہ ژھاران چرن چیان ہی ہیمو
ہمونو پادیان لب لگن کت میہ ہی شمبو
توآی نزاوِم میہ ساری رٹتھے پادو ولہ شمبو

۴ سا روپ سایجھ سالوکھ سامیپ چھوکھ شمبو
ژونوئے چھسنہ یژھان کرپا چھیم موکھ شمبو
سالوک آنند دھام بوشوہ منگلہ شمبو

ناو چون سمرتھ پرووسا میپ سوکھ دیہ شمبو
شبوہ بھکتین منز میہ سوکھ کیرتن میہ شمبو
سا روپ سوکھ میہ ژچھیے پوزا وولہ شمبو

ویراٹ روپ ڈیشت چون بوچھنہ بیتوان پانہ شمبو
ژھیم پانن ژرے منز میہ نہ سایجھ ترانہ شمبو
پیہ پانن سوکھ لبان سوپوخ سکلہ شمبو

رٹتھ اخ میوخ ژوان منز سوپوخ چھیہ سوکھ نہ شمبو
موخ لنش کھنز چھیہ پوزا دیان جون زیب میہ شمبو
توآسی تھی پر چھوی بھکتی تلہ شمبو

۵ لشوبینہ لمہالہ کوتلہ وِش سنز ہ درائو نار شمبو
زالنہ لوگ چراچر روو تہ ہاہاکار شمبو
دیا ما کرہ ہو چھنہ اکی گو آکار شمبو

ککھس منز سیتہ ادی گیا بر ہانڈ ہا دنہ شمبو
وودرس منز گنڈتھ لیس چھوتریہ اکہ زِرہ شمبو
بس ہیتس حنز گورتھ بڈگوی نیلہ گلہ شمبو

جے جے کار چھوی ژے بوتہ پادن شمبو
ژیتھے رچھ بیون ہردے تھو تہ پادن شمبو
تمی سیت بنہ شانتی بے لشکلہ شمبو

۶ چھسنہ لبش نہ کلنکی حو رکھ نہ جرژہ شمبو
چندرہ شیکرہ سہ ہرہ وِکبرہ گت چھسنہ شمبو
ارہ کرہ نہ کر پاچھک کران اٹلہ شمبو

پیوسے وخ ڈرگن چھس بوہن پیوہن شمبو
جرڈ روپ گنگا چھے پانس جٹن شمبو
پانہ چھک ژٹتھ فرگ ژری سوچھوی چنچلہ شمبو

ڈیکہ چھوی چندرس یز لان کلنگی سوچھو شمبو
داشک ژریہ ہیتھے ہارو کبرہ گت سوچھو شمبو
میہ دودونہ منز ادیکار خوتم کیا ہو شمبو

دونوے ونہ تھوشئے بروشہہ کو ہرہ شمبو
طلوخنہ انگن سیت نہ پادن ورہ شمبو
نی مرتھ آلی چھم جان کرپا لشکلہ شمبو

۷ . سما مانہ راجن ہیو را بہ چھنہ میون شمبو   ہتنہ بیتہ برتھہ گنہ جایہ پورت ہیکون شمبو
ونچہ نہ کا نہہ گنڈِتی نہ کا نہہ کا لنگلہ شمبو

راجن میہ سپدِ زن چھم زیہ تو پزِ رن تھیمبو   راجن میہ خوژرن چھم زیتا خوژرن میہ شمبو
راجن میہ ہیوت او سر زیہ نش نہ کا نہہ ولہ شمبو

۸ بم یادِ کس چان تو گیین منس شمبو   نمِو سیت لت لایت زیہ کمیراجس شمبو
کٹھور کوت وچھہ چھوی تس زیہ یاد کوِ ملہ شمبو

تو گنخ ماسنیو خماکنہہ زخ منز للہِ شمبو   تمسے یادو اس میہ زہ دنہ ادہ قولہ شمبو
دِمنخ فنش للہ ناو خترہ بوز جل وولہ شمبو

۹ میہ لوز بتہ وور عادت کو رتھہ پائے زیہ شمبو   زیہ کمیراجنہ یادن تو گوی زو لتھہ زیہ شمبو
نہِ ژولِت بیہ اَخ داس جہنم رٹہ یاد للہِ شمبو

تمس ما کٹھور آسہ من زیہ یادن ماگہ شمبو   تو آ نی درہ راوِت یاد میہ مایتہ لگہِ شمبو
دیا شیل ساگر چھک زہ تراوِت نہ زلہ شمبو

۱۰ منگے کیا زہ دِ خ کیا مے زیہ چھوی کیا ہرہ شمبو   دھتورِ زاپان چھک ترکی خیوان زہرہ شمبو
منش خبیہ مرہ - بڈ بچہ مو گترھہ پاگلہ شمبو

خیش کیوت منگِ کس کیا زہ دِخ کیا ہرہ شمبو   زیہ وستسر چھوی نہ کا نہہ نال زہ دیگمبرہ شمبو
ونون کنہہ بوزن نہ کنہہ نہ کا نہہ گا گلہ شمبو

دران بیہ کا نہہ تری لش وچھی ننگہ مت شمبو   مرگ زم تھوخ لنگوٹ زہ بیلہِ شرم ہیوت شمبو
یار وزخ ننگہ ننگ پکان جنگلہ شمبو

نال سرپ مالہ چھئے ورشب واہن شمبو   منگلت دِ خ کیا چھوی ترے بو یادگاران شمبو
تمے یاد ہر دلس بو رٹے منزلہ شمبو

پراران پراران بو تھکس تھاران شمبو   نماران تو چھس پزان دھیان دھاران شمبو
مدنو مِلنش ترٹ مدھن لہ نکلہ شمبو

शिव छुका च़ कल्याण रूप योगु निर्मल शम्भो
अनुग्रह् करिथ म्य दाद नाद कमल शम्भो

१. शिवानन्द लहर सारव वच्छ चर्न सूर यान्य शम्भो
पापन ह्यलान नावान तमिके पानि शम्भो
हृदयस सपिन म्यानिस बुद्धी कुलि कुल शम्भो

२. पशुपत् दीना नाथ च़ू पूर्ण पुर शम्भो
च़ दीनन हुन्द सरदार स्यथाथै मोंज ज्यूर शम्भो
वन्दो गव सुय रछि युस दीन नाथ तल शम्भो
क्या क्षमा कररवना च़ूय अपरादन म्य शम्भो
मव सूर तारखना? अवश तारख म्य शम्भो
नत् च्यूत बनिथ लगी बछू च़्य पामन तल शम्भो

३ करान छुकना म्योन उदार नन्यव छुकना म्योन शम्भो
म्य बोनान छुकना आलव न योर कन च्योन शम्भो
नतोय कवु आस्यम थि हाल बुछिथ मो तल शम्भो
वनरव युद बायि ल्यूखनय दि थातन थि च़्य शम्भो
तवाय किन्य ध्यान करिथ्य ह्यकरवनो च्योन शम्भो
प्रछुम सामर्थ्य छुयना ति नाहछुन तल शम्भो
म्य छुयना यूत सामर्थ कलम फिरनुक च्य शम्भो
ब्रह्मा व्यथा यालि छी गिन्दन सामग्री च़्य शम्भो
वनव कयथ् ब्रह्मा हर निषा च़्य नो पेश चलख शम्भो
अट्ठय तस पान्जुम मुख करिथ रूप कातू शम्भो
तवाय रूद ब्रह्माजी अतुर मुख तलू शम्भो
अवाय किन्य नो छु मानय न बुछ्य शाहउर शम्भो

न्‌नाव थियू कथ्यू वनन्ये लु नो ओजाय च्य शाम्भो
थिमय नो फेरस मन्ज़ न्‌ उदार कार मय शाम्भो
न तावय दोरवन थियू बु दीनिय हल्‌ शाम्भो

४ प्रबू कुस पूजा फल मन्मान यी च्ये शाम्भो
चरनू कमल्‌ मो ध्यव म्य निश्च ध्योन ही शाम्भो
ब्रह्मा व्यष्णु तावन्व च्य पादन ना उल्‌ शाम्भो
ब्रह्मा व्यष्णु ति च्रारान चरण ध्यान ही शाम्भो
थिमव नो पाद ध्यान लगि लगन कथ म्य ही शाम्भो
तनाय त्रोविम म्य सोरी रटय पाद वुलू शाम्भो

५ सबीर ब्रुत्कुय छुय च्ये च्य हाजत ब्रवना शाम्भो
दियो युद ब्रुन कान्ह मु कोला दिजा शाम्भो
त्रलोकी हुन्द ब्रुन सोर समीब्रुच्य नातुलू शाम्भो
कबीर छुय दनू सामी दियो गछि थि च्य शाम्भो
दनू च्य च्यनु क्यन्ह च्य कामी क्रुप बृक्ष छुय शाम्भो
कामदीव-चिन्तामन- रतनू उेर उल्‌ शाम्भो

६ सायुज, सारूप, सालोक, सामीप मूक्ष शाम्भो
ब्रुनवय कुसना यच्छान छुम कृपा मूक्ष शाम्भो
सारूप मूक्ष ब्रुनमय पूजायि ब्रुलू शाम्भो
नाव ध्योन कुमरिथ प्रोव सामीप सुख म्य शाम्भो
शिवू भक्तियन मन्ज म्ये सुख कीर्तन शाम्भो
सालोक आनन्द धाम ब्रु शिवू मंगल शाम्भो
व्यराट रूप डीशिथ म्ये बु कुसना पानू ब्यून शाम्भो
पान म्ये कुस त्रे मन्ज़ ति सायुज मूक्ष शाम्भो
यि पान ज़ान सुख लबान ती सकल मूक्ष शाम्भो
रटिय सुख मुखन त्रुन मन्ज़ सु मुख छ्यम सुख म्य शाम्भो
५.

मूढ़यनिश यन छु पूज़ा ध्यान चोन ज़प म्य शम्भो
तवोय मुक्षीपद कुय भक्ति तस् शम्भो

८ पशुपति कालकूट विष मुदरू द्राव नार शम्भो
ज़ालन्य लगजगतस द्रुय हा हाकार शम्भो
दयासागरू आव़मन्य सकी भवसहार शम्भो
मुखस मन्ज़ प्ययि प्रोय ग्यान ब्रह्मान्ड मा दज़ि शम्भो
उदरस मन्ज़ गन्डिथ गुस कु च्य सकि रज़ि शम्भो
वस हटिस मन्ज़ कुरुथ बन्द तवोय नीलगल शम्भो
जय जयकार कुय च्ये मुत भावत् शम्भो
तिथय रछ म्योन हृदय थाविथ पादन शम्भो
तसी सूत्य बनि शान्ती है न्ययूकल शम्भो

९ कुसना पूब ना क्रान्की मूर्ख ना जड ना शम्भो
चन्द्रशेखरू हे हरू! व्यक्गत कुसना शम्भो
सदू कोनू कृपा कुरव करान सटल शम्भो
युदवय वनख हुरगुस कुस क्रु हन हन शम्भो
ज़ड रूप गंगा छय पानस ज्यटन शम्भो
पानू कुरव रटिथ मृग कुय सुय चन्चल शम्भो
ज्यनि कुय चन्द्र पूबान क्रान्की सु कु शम्भो
वासुक च्य हटे हार व्यज़गव सु कु शम्भो
म्य दुनवुन्य मन्ज़ अधिकार सु तुम क्या म्य शम्भो
दुनवय वत् थविमय ओन्द कन्य हर शम्भो
मिवरव मा मन्गान मन्ज़ नू पादन बर शम्भो
ती रत ती कम जान कृपा न्यक्त शम्भो

९ सामान्य राजन छु कुनु मानु मीन शम्भो
हुति यति नु प्रथ कुन्य जायि मूलिक छकोन शम्भो
वकनुच न कान्ह गछिथी न कान्ह मकुल् शम्भो
राजन म्य प्रारुन कुम च्य न प्रारुन म्य शम्भो
राजन म्य रवोजुन कुम च्य न रवोजुन म्य शम्भो
राजन म्य छुयुन मनस च्य लिव न कान्ह वनु शम्भो
२० यिम पाद कमल ध्यान युगियन मनस शम्भो
तिमव सूर्य लय लोगिथ च्य यमराजस च्य शम्भो
कठोर कुत वद कुय तस च्य पाद कोमल शम्भो
लुगुरव मा सन्योरवमा कयन्ह रटरव मन्ज़ लूलि शम्भो
तिमय पाद दासस म्ये जू दिलु मदू फुलु शम्भो
दिमरव फष ललुना वरव चू बोज़ जलबूलू शम्भो
२१ म्य बूज़ुननु वोर मादत कुरुय पान्य च्य शम्भो
च्य यमराजुन्य पादन लुगुय ज़ोलुय च्य शम्भो
ति ज़ोलुय छायि मरव दास ज़न्म रटि पादवलि
तमिस मा कठोर मासि मन च्य पादन मालगि शम्भो
नवाय देवू रोविथ पाद म्य मा पतु लगि शम्भो
दयाशील सागर कुरव चू नोविथ ना जलू शम्भो
मन्गय क्या दिरव क्या म्ये च्य कुय क्या हनू शम्भो
दतुर ज़ापाव कुस नूय रव्यवान जहनू शम्भो
मनुष रव्यायि मारि युस ज़ानि मु गछि पागलू शम्भो
रव्यनस कियुत मान्यि कुस क्या चू दिरव क्या हनू शम्भो
च्य वस्तूर कुय ना कान्ह नोल्य चू देगंबर शम्भो
वनुन कयन्ह बोनुन म कयन्ह न कान्ह गांगल शम्भो
अज्ञान यिथि कान्ह च्य लिश बुकी नन्य मुत सन्यास
मुगु ज़म छवरव लन्गोट चू शमें हून्दि पास शम्भो
या रोज़रव मनना पकान जनाम्य शम्भो
ना[illegible] शम्भो

मन्गिथ दिरव क्या कुय च्ये बु पाद गारनू शम्भो

पा

۶۳

तिमव पाद हृदयस ब्रु रदय मन्दरस्य प्राम्मो ॥
श्रान मारान ब्रु यूकुस [illegible]रान प्राम्मो
यारान ब्रु कुस मारान ध्यान दारान प्राम्मो
मदनो "मदनस" ग्रठ मदन्य हान्कार प्राम्मो

خیماپوش

جے سدا شیوہ وَاشئے بیٹھ کیا زیب روش چھا
ے اگوپ ئے نیلہ کنٹھئے کر خیامہ کر خیا

زان آسِن روکنو چھک شرہ زگتک زان کار — تھِمِ ہیوم اگیا نگوی تم ہیہ نتر بریم — نوُدار
بھوتہ بھنجن سے ترنجن گیا نہو بک کر خیا

حوال نا ی آج سو ہیہ دتے چھم چھوی اپرزیتہ (ہور بار) — نونوی قوٗ وار پُدوم اپزہ کوی چھم گھرہ نہ بار
بھکتہ نغنجن اپر کمیہ رنجن شانت زوپئے کو خیا

بھای نہ بھانڈو ناٹھ ہیا آنی زرتی نہ آئی وقتے (کار) — مائی حشیرت ڈو ولٹ چھم اتہ وان حوہ سمسار
دین چھس رچھنے میہ خداہ دینہ وتل کر خیا

دھرم ادھرم ف جیو نگمت بود تمی حنزہ لوٹھ نیار — کرحہ کیو کرنو روٗلش کر کر سعیو شوبوڈ انبار
چیت چو کریا زی اکریا پر میہ وتا کر خیا

پیو ہو پوزن پر مہ پد چھک پرمہ ایشر وشوودار — پرمہ دھام پرماتما چھک پرمہ گت چھک پرمہ پار
پرمہ شیو دشیوہ ناد چونوی پرمہ سندر کر خیا

شوادھر چھکہ بوشیہ وا ہون ناد ڈا ہرداُیوون — سوٗرہ تنہ کیا نور چھوی ترے پور زلہ سرگیس گرہون
چندرہ شیکھر نال واشک وا سیئے بیٹھ کر خیا

پوش لگیہ یم نر بیئی سے دھوپ نرالہ پان (پھوٗن) — پانتر دئے یم پران بینی آختی ہیمہ آلوون
بھل نہ پھول میون آتما چھوی زی کر پاکنزی خیا

(پنون) زیمہ نے نرمہ دارتہ زعنگوی میہ پچھنہ ونون — زیمنی منزر اد ہلین ہندگز میم دلیون دصان
جے سدا شیوہ جے پرمہ شیوہ جے ادا شیوہ کر خیا

مدان کاشمیری

क्ष्यमा पोष

जय सदाशिवू दासूय प्यट क्या च्य रोशुन हा स्वा
हे अघोरय नीलकण्ठय कर क्ष्यमा म्य कर क्ष्यमा

नान ऑासिय ज़ोनमस्वनो छुख चु ज़गतुक ज़ानकार
वुछि म्य प्योन अग्यानकुय वर तमि म्य चुपदीम नवदार
भूत भन्जन हे निरञ्जन ग्यानू दीपका कर क्ष्यमा ॥
मो[illegible] लाय मोन मुपनू वथ। तिम छुयमपुज़ यति व्यवहार
[illegible] वुनुय नवदार प्रोनुम अपुजि़कुय यति संसार
दीन छुस रछने म्य थि खना दीनू वत्सल कर क्ष्यमा
धर्म अधर्मुक छु व्वगमुत योद तमी मन्ज़ू बुठ न्य स्वार
कर्म क्यव कर्मव बूटुस कर्य कर्य सपदव सुय बुउमन्दार
छुख चु कर्ता चुय अकर्ता प्रथमवर्ता कर क्ष्यमा
परम पूज़न परम पद छुख परम ईश्वर व्यवहार
परम धाम परमात्मा छुख परम गत छुख परम पार
परम शिव प्युद नाव च्योनुय परम सुन्दर कर क्ष्यमा
शूलधर छुख वथू वाहन नादू डाबुर वाय वोन
सूर लनि क्या नूर छुय च्ये पूरू चालि सूर्यसि गहोन
चन्द्र शीखर नाल्य वासुक दास छ्य प्याठ कर क्ष्यमा
पोष लागय थि च्य चन्दनय धूप ज़ाल्य पान पनोन
पान्चुनय थिम प्रान पलमी मारव्यतुय सामू मालवोन
फल तू फूल म्योन आत्मा छुय चूल कृपाकर चुय क्ष्यमा
ज़न्मू ज़न्माय ज़न्मकुय कमन्द छुनू वनोन
ज़न्मनुय मन्ज़ पादू कमलन छुन्द गछ़ यम वियुन ध्यान दर्शन
जय सदाशिव जय परम शिव हे उमा शिव कर क्ष्यमा ॥

॥१०॥

ॐ नमः शिवाय

सेवक

गणपतिय़स्तुति

अष्टू स्यदियन हुन्दि गणपत ईश्वो
मतू दूरावतम छाति कीशो
व्यघ्नहर्ता कुस वुख वीदप्रोमकार ज़पू यज्ञ हूम च्योन गुड् माहकार
मदू कामना बनि छानिकीशो
गण्नायक् मन्नायकू सुन्दरो उलूबायि सूत्य कुस प्यह किन्दरो
रक्त वर्ण धूम्र वर्ण बालचन्द्र ईश्वो
एकदन्तू ताजस हुंया बालचन्द्रो गन्दरो नाल्य नागुक हून्ज़रो
माथि हाथ वरऽभय मस पदम ईश्वो
नाल्य मालू जामू सुर्गूज्य छौ गण्डिथ्य वीदूवत वीद तत्त्व कुस पन्डिथ्य
व्यन्दू क्वय कन्द कुस कुस प्रन्य ईश्वो
उलबाथि मायि सूत्य बर्यो लोलू स्वामी मूषाकु वाहनू तस छू मनू वासी
कास्तं व्यघ्न युथना रोज़्यं कयन्ह लीधो
व्यघ्न हर्ता छूय व्यघ्नुक छ्यय कुस पैय कुस योगियन योगू जय कुस
आदि दीव स्यदिदाता गणीशो
उमायि हुन्द कुस यछायि सन्तान मूलाधार् युवनस डीडवान
पूज़ान तति छी दीव दीव ईश्वो
प्रयस् मस लोल् लसू हावय धूपदीप हावान छूय कुस शिव शक्ति रूप
सायुज्य पद दितू शिव सुन्द ईश्वो
शिवजी सुन्दि टहि व्यघ्ननिवारो यमि भवू सर् मन्जू दितू तारो
"मदनास" करदया दयामदीश्वो ॥

मिलने का पता:— पं॰ गोपी नाथ सपरू आनमरजा श्रीनगर